सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

तिगरी गंगा धाम में गंगा का जलस्तर 200.70 सेमी बढ़ा पेज: 4

साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगीं वेदिका पिंटो, लक्ष्य के साथ पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 155 | बुधवार 09 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

यूपी में बीजेपी का 2027 गेम प्लानः योगी की 115 सीटों पर सेंधमारी, निशाने पर सपा-कांग्रेस का गढ़

लखनऊः अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सियासी दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश देश का सबसे प्रमुख राज्य है और यह माना जाता है कि यहां जिसकी भी सरकार रहती है, उसका दिल्ली की राजनीति में भी दबदबा देखने को मिलता है। वर्तमान परिस्थितियों में देखें तो भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच ही मुख्य मुकाबला होता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि बहुजन समाज पार्टी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को भी कम नहीं समझा जा सकता है। एक ओर मायावती के नेतृत्व वाली बसपा अपनी खोए हुए जनाधार को वापस लेने में जुटी है। तो वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) चंद्रशेखर के नेतृत्व में दलित वोटबैंक पर नजर जमाए हुए है। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव अभी भी अपने पीडीए समीकरण यानी कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

वडोदरा में पीएम मोदी बोले- विकसित भारत के लिए तेज कनेक्टिविटी और मैन्युफैक्चरिंग जरूरी, युवाओं को AI में पारंगत बनाने पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में आधुनिक कनेक्टिविटी, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा क्षमता और कुशल युवाशक्ति का विस्तार जरूरी है। उन्होंने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबी परियोजना का पूरा होना 21वीं सदी के भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने वडोदरा में स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए लोगों से शहर को आगे भी स्वच्छ रखने का संकल्प लेने की अपील की। 2,800 किलोमीटर का फ्रेट कॉरिडोर पूरा प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए गतिशक्ति बेहद महत्वपूर्ण है। वडोदरा में डेडिकेटेड

फ्रेट कॉरिडोर की आखिरी कड़ियां जुड़ने के साथ 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबे कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि यह 21वीं सदी के भारत के लिए एक ऐतिहासिक कार्य है। 2014 से पहले फाइलों में अटका था प्रोजेक्ट पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ था और 2006 में इसके लिए विशेष कंपनी बनाई गई थी, लेकिन 2014 तक काम की गति बेहद धीमी रही। उन्होंने कहा कि सात-आठ साल में एक किलोमीटर फ्रेट कॉरिडोर का काम भी पूरा नहीं हो पाया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद सरकार ने इस परियोजना को गति दी और आज 2,800 किलोमीटर से अधिक का कॉरिडोर पूरा करके दिखाया गया है। रोज चल रही हैं 430 से अधिक मालगाड़ियां पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब देश के व्यापार और कारोबार का महत्वपूर्ण आधार बन रहे हैं। दोनों कॉरिडोर पर रोजाना 430 से अधिक मालगाड़ियां चल रही हैं। पहले मालगाड़ी को 100 किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब साढ़े छह घंटे लगते थे, जबकि अब यह दूरी आधे से भी कम समय में तय हो रही है। 30 घंटे की दूरी 10-12 घंटे में प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस दूरी पर ट्रक से सामान पहुंचाने में सामान्य तौर पर करीब 30 घंटे लगते हैं, वही दूरी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के जरिए 10-12 घंटे में पूरी हो सकती है। इससे ईंधन की बचत, माल ढुलाई की लागत में कमी और समय की बचत के साथ पर्यावरण को भी फायदा हो रहा है। किसानों की उपज को बड़े बाजारों तक पहुंचने में मदद पीएम मोदी ने कहा कि फ्रेट कॉरिडोर से पूर्वी और पश्चिमी भारत के किसानों की उपज तेजी से बड़े बाजारों तक पहुंच रही है। फूल, सब्जियां और फल जैसी जल्दी खराब होने वाली कृषि उपज को कम समय में मंडियों और उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का रास्ता तैयार हुआ है। इससे किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। डबल स्टैक कंटेनर से 250 ट्रकों के बराबर माल प्रधानमंत्री ने मुंबई के जेएनपीटी पोर्ट से वडोदरा तक डबल स्टैक कंटेनर मालगाड़ी के संचालन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक मालगाड़ी में ऊपर-नीचे कंटेनर लगाकर एक बार में 250 से अधिक ट्रकों के बराबर माल मुंबई से वडोदरा पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इससे बड़े पैमाने पर सामान तेजी से देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पहुंचाने की क्षमता बढ़ेगी।

आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंच रही रेल पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि फ्रेट कॉरिडोर के साथ देश के उन इलाकों तक भी रेल संपर्क पहुंच रहा है, जहां दशकों तक रेल नहीं पहुंची थी। गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों को भी रेल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक के बाद एक नई ट्रेनें शुरू हो रही हैं। वडोदरा, छोटा उदयपुर और अलीराजपुर के लोगों को भी नई ट्रेनों से सुविधा मिलेगी। इंफ्रास्ट्रक्चर से बनते हैं

उन्होंने कहा कि अकका उपयोग केवल आईटी क्षेत्र तक.....

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं के लिए अकको समझना और उसका इस्तेमाल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि AI का उपयोग केवल आईटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसका इस्तेमाल खेती के लिए

'राजनीति का समय नहीं है', मणिपुर के संगीतकार की हत्या मामले में रिजिजू का राहुल पर पलटवार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार सी. विक्रम सिंह की हत्या के मामले का राजनीतिकरण करने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि राहुल को इस मामले में बीजेपी को नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी नॉर्थ-ईस्ट के लोगों से जुड़ी कोई घटना होती है, तो दिल्ली पुलिस तुरंत कार्रवाई करती है। यह राजनीति का समय नहीं: रिजिजू रिजिजू ने कहा,'यह राजनीति का समय नहीं है। मैं हमेशा पूछता रहता हूं कि राहुल गांधी इसमें बीजेपी को क्यों लाते हैं? जब कोई घटना होती है तो ध्यान तुरंत कार्रवाई पर होना

चाहिए। यह राजनीति का मामला नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'दिल्ली पुलिस के तहत बना नॉर्थ-ईस्ट स्पेशल पुलिस सेल लगातार संपर्क में रहता है और किसी भी घटना की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करता है। हालात अब पहले जैसे नहीं रहे, हमने तेजी से कदम उठाने के लिए एक सिस्टम बनाया है। इसलिए, जब भी दिल्ली में नॉर्थ-ईस्ट के लोगों से जुड़ी कोई घटना होती है, तो तुरंत कार्रवाई की जाती है।' यह बयान राहुल गांधी द्वारा मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की मौत की निंदा करने के बाद आया है। सिंह पर कथित तौर पर कुछ लोगों के समूह ने हमला किया था। राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली पुलिस से सवाल किया था कि वे दिल्ली में नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के खिलाफ बढ़ती अराजकता को रोकने के लिए क्या कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, 'मणिपुर के मशहूर म्यूजिशियन चोंगथम विक्रम सिंह अपने घर के बाहर हो रहे शोर को कम करने के लिए कुछ लोगों से कहने नीचे गए थे। इसके लिए उन्हें पीट-पीटकर मार डाला गया। एक पिता की हत्या उसके अपने ही घर के बाहर, उसके ही देश की राजधानी में कर दी गई। ऐसी कई घटनाओं के बाद, आज दिल्ली में रहने वाला हर नॉर्थ-ईस्ट का परिवार यही सवाल पूछ रहा है - क्या हम यहाँ सुरक्षित हैं?"

तमिलनाडु विधानसभा में बॉडी-शेमिंग विवादः सीएम विजय बोले- इशारा अनायास था, मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं

नई दिल्लीः तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को विधानसभा में किए गए अपने उस वायरल इशारे पर सफाई दी, जिसे डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन के टूटे हुए जबड़े का मजाक उड़ाने के तौर पर देखा गया था। उन्होंने कहा कि यह इशारा अचानक हुआ था और इसका मकसद किसी को दुख पहुँचाना नहीं था। विधानसभा में विपक्षी पार्टी के खिलाफ एक तीखे भाषण के दौरान, विजय ने अपने जबड़े को छूने वाला जो इशारा किया था, उसके लिए उनकी आलोचना हुई। इस इशारे को स्टालिन के शारीरिक रूप-रंग का मजाक उड़ाने के तौर पर देखा गया था। मुख्यमंत्री पर डीएमके प्रमुख का बॉडी-शेमिंग का आरोप लगा था। विजय ने एक्स पर लिखा कि मैं यह साफ करना चाहता हूँ कि 7 सितंबर

2026 को विधानसभा में पुलिस विभाग के लिए अनुदान की माँगों पर जवाब देते समय अनजाने में जो बॉडी लैंग्वेज दिखी, वह पूरी तरह से स्वाभाविक थी और उसका कोई छिपा हुआ मकसद नहीं था। इसलिए, मैं ईमानदारी से अनुरोध करता हूँ कि इसे किसी को व्यक्तिगत रूप से चोट पहुँचाने या नाराज करने की कोशिश के तौर पर न देखा जाए। यह बात तब सामने आई जब सीपीआई(एम) नेता पी. शनमुगम ने स्टालिन के "बॉडी शेमिंग" (शारीरिक बनावट का मजाक उड़ाने) के लिए विजय की आलोचना की और कहा कि विधानसभा को व्यक्तिगत हमलों का मंच नहीं बनना चाहिए। शनमुगम ने इमरजेंसी के दौर को याद किया, जब लोकतंत्र के बचाव में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे और उसके बाद दमन और ज्यादतियां हुई थीं। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान स्टालिन पर हुए हमले का भी ज़िक्र किया, जब उन्हें 'मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट' (मीसा) के तहत हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि किसी के शारीरिक रूप-रंग का मजाक उड़ाना निंदनीय है, चाहे कोई भी ऐसा करे; खुद मुख्यमंत्री का ऐसा करना गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत है। विजय ने ईडी के एक दस्तावेज और दशकों पुरानी सरकारिया कमीशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए पिछली डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए।

विजय ने कहा कि सरकारिया कमीशन की रिपोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि पर अपने आधिकारिक पद का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने बीडीपीएल की अपील खारिज की, अद्वितीय विवाद का हुआ पटाक्षेप

नई दिल्लीः आठ सितंबर (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए शेयर के लेन-देन से जुड़े विवाद में भगवती डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) की अपील खारिज कर दी। न्यायालय के इस निर्णय को पीयरलेस जनरल फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है। बीडीपीएल की याचिका खारिज होने से भारत के सबसे लंबे समय से चल रहे कॉरपोरेट विवादों में से एक का पटाक्षेप हो गया है। यह विवाद गत तीन दशकों से भी अधिक समय से चल रहा था। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने बीडीपीएल की याचिका खारिज करते हुए एनसीएलएटी द्वारा 16 अप्रैल के दिये गए आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने अधिवक्ता अरुणाभा

देब और आशिका डागा के सहयोग से पीयरलेस का पक्ष रखा जबकि बीडीपीएल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने अधिवक्ता फराज अनीस के सहयोग से अदालत में दलीलें दीं। यह विवाद 1991 में शुरू हुई कार्यवाही से पैदा हुआ था और इसका संबंध 1987-88 में पीयरलेस द्वारा लिए गए कॉरपोरेट फैसलों और शेयर लेन-देन से संबंधित था। इस विवाद के केंद्र में कंपनी के अंश धारकों और निदेशक मंडल की मंजूरी से पीयरलेस द्वारा प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए 30,000 इक्विटी शेयर जारी करना और मौजूदा अंश धारकों की ओर से 15,626 शेयरों का हस्तांतरण था। बाद में इन लेन-देनों को इस आरोप के साथ चुनौती दी गई कि इनका उद्देश्य पीयरलेस के स्वामित्व में बदलाव करना और धन का गलत इस्तेमाल या दूसरे मदों में व्यय करना था।

शुरूआती कानूनी कार्यवाही कंपनी अधिनियम - 1956 की धारा 397 और 398 के तहत शुरू की गई। जब मूल याचिकाकर्ताओं ने कार्यवाही वापस लेने की मांग की, तो बाद में बीडीपीएल को याचिकाकर्ता के तौर पर मुकदमेबाजी जारी रखने की अनुमति दे दी गई।

राजस्थान निकाय चुनाव में गरमाई सियासत, बीजेपी ने 41 बागी नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

राजस्थानः राजस्थान में नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। राज्य के 309 शहरी स्थानीय निकायों के लिए वोटिंग 9 और 11 सितंबर को दो चरणों में होनी है। इस चुनावी मुकाबले के बीच, बीजेपी ने उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है जिन्होंने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा या निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। राज्य भर के 41 नेताओं और कार्यकर्ताओं को - जिनमें जयपुर के 26 लोग शामिल हैं - पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निकाल दिया गया है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ काम करना संगठन-विरोधी गतिविधि और घोर अनुशासनहीनता है। पहले चरण में 39 जिलों के 168 नगर निकायों के 5,393 वार्डों के लिए वोटिंग बुधवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। सोमवार शाम को रैलियां, जनसभाएं, रोड शो और जुलूस खत्म हो गए और अब उम्मीदवार घर-घर जाकर प्रचार करने पर ध्यान दे रहे हैं। राज्य भर में कुल 10,245 वार्डों के लिए चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में 168 नगर निकाय शामिल हैं, जिनमें चार नगर निगम - पाली, भरतपुर, भीलवाड़ा और अलवर - भी हैं। जयपुर नगर निगम समेत 10 नगर निगमों में से छह में 11 सितंबर को वोटिंग होनी है। दोनों चरणों के वोटों की गिनती 14 सितंबर को होगी। पहले चरण में, 20,623 उम्मीदवारों की किस्मत तय करने के लिए 7,683 मतदान केंद्रों पर 5,752,278 मतदाता वोट डालेंगे। मतदाताओं की संख्या 2019 की तुलना में 27.24% ज्यादा है। चुनाव प्रचार खत्म होने के साथ ही, BJP और कांग्रेस दोनों ने अपना ध्यान वोट और उम्मीदवार मैनेजमेंट पर केंद्रित कर दिया है।

बिहार के सीएम की चेतावनी: जन-शिकायतें 30 दिन में निपटारा न होने पर होगी कड़ी कार्रवाई

बिहारः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 8 सितंबर को कहा कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना सरकार की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए 'सहयोग कार्यक्रम' को एक अहम जरिया बताया। पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में राज्य-स्तरीय 'सहयोग कार्यक्रम' आयोजित किया गया, जिसमें 137 आवेदकों ने अपनी शिकायतें रखीं। संबंधित विभागों और ज़िला प्रशासन को समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे 'सहयोग कार्यक्रम' में जनता का भरोसा बनाए रखने पर जोर देते हुए, तय समय-सीमा के भीतर लोगों की शिकायतों को पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निपटाएं। आवेदकों ने राजस्व और भूमि सुधार, शिक्षा, गृह, ग्रामीण कार्य, स्वास्थ्य, खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण, समाज कल्याण और अन्य विभागों से जुड़े मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने ज़िलाधिकारियों और विभागीय

अधिकारियों को तय समय-सीमा के भीतर मामलों का समाधान करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने आवेदकों को भरोसा दिलाया कि जरूरी कदम तुरंत उठाए जाएंगे। उन्होंने सलाह दी कि जिन आवेदकों की शिकायतों का समाधान पहले ही हो चुका है, उन्हें पटना में राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में आने की जरूरत नहीं है। हालाँकि, जिनके मामले जटिल हैं और ज़िला स्तर पर हल नहीं हो पाए हैं, वे 'सहयोग कार्यक्रम' के जरिए समाधान पा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार नागरिकों की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष और तय समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य-स्तरीय कार्यक्रम जटिल मामलों की समीक्षा करने और उचित व त्वरित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि पात्र लाभार्थियों को बिना किसी देरी के वृद्धावस्था पेंशन और राशन कार्ड मिलें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी कारणों से किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी कल्याणकारी लाभों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। सरकार का लक्ष्य 'सहयोग' शिविरों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का 30 दिनों के भीतर समाधान करना है।

राष्ट्रपति मुर्मु 22 सितंबर को गुजरात के केवडिया में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 22 सितंबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (केवडिया) में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। आर्टिकल 370 को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया जाएगा। भंगार को सर्वश्रेष्ठ नॉन-फीचर फिल्म और ह्यराम-नामी को जूरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र चुना गया है। ब्रयुगम के लिए ममूटी और चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेता का पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि यामी गौतम को आर्टिकल 370 के लिए सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री का पुरस्कार मिलेगा। रणदीप हुड्डा को स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक का पुरस्कार मिलेगा। इस समारोह में देश भर के फिल्म निमार्ता, अभिनेता, तकनीशियन और अन्य कलाकार एक साथ उपस्थित होंगे। इस अवसर पर वर्ष 2024 में भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए यह पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 1954 में स्थापित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए देश के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान हैं। सात दशकों से अधिक समय से, ये पुरस्कार फीचर फिल्मों, गैर-फीचर फिल्मों और सिनेमा पर

लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट रचनात्मक और तकनीकी उपलब्धियों को मान्यता देते आ रहे हैं, साथ ही भारतीय फिल्म निर्माण की समृद्ध भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता को भी दशार्ते हैं। आपको बता दें, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों को राष्ट्रीय राजधानी से बाहर देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष एकता नगर में आयोजित होने वाला यह समारोह देश भर की सिनेमाई प्रतिभाओं को एक साथ लाएगा और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मूर्त रूप देगा। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विभिन्न भाषाओं, विधाओं और सिनेमा के विभिन्न रूपों में व्यापक विविधता का उत्सव मनाते हैं। ये पुरस्कार मराठी, संथाली, तमिल, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, तुलु और गढ़वाली सहित विभिन्न भाषाओं और विधाओं की उत्कृष्ट फिल्मों को भी सम्मानित करते हैं। कल्कि 2898 ईस्वी, अमरन, पुष्पाः द रूल पार्ट-02, भूल भुलैया 3 और स्त्री 2 सहित कई फिल्मों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार मिलेंगे। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के गैर-फीचर फिल्म वर्ग में पहली बार किसी संथाली फिल्म को सम्मानित किया जाएगा। वहीं, सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन श्रेणी में संजीव श्रीवास्तव को सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार डॉ. प्रदीप केंचनुरु द्वारा लिखित और मिरर बुक्स द्वारा प्रकाशित नानिरुवुदे निमगागी, नादिरुवुदे ननगागीः कन्नड सिनेमाद तात्विक मत्तु राजकीय (आई स्टैंड फॉर यू, द स्टेट स्टैंड्स फॉर असः पॉलिटिकल एंड फिलॉसॉफिकल डाइमेंशन्स ऑफ कन्नड़ सिनेमा) को दिया जाएगा।

वहीं, सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन श्रेणी में संजीव श्रीवास्तव को सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार डॉ. प्रदीप केंचनुरु द्वारा लिखित और मिरर द्वारा प्रकाशित नानिरुवुदे निमगागी, नादिरुवुदे ननगागी

संपादकीय

जानलेवा हॉस्टल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है।

चिंतन-मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है।

पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो। रुपयें की कोई अपनी मनोदश नहीं है। रुपया पूरा समर्पित है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हर हादसे के बाद कोई बख्शा नहीं जाएगा का जुमला

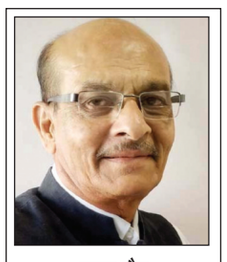

सनत जैन

जब भी कोई बड़ा हादसा होता है या कोई ऐसा अपराध होता है जिससे सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, उस समय पर भाजपा नेताओं के जो बयान आते हैं उसमें कहा जाता है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। लेकिन यह एक जुमला है जो भाजपा शासित राज्यों में और भाजपा के नेताओं द्वारा पिछले कई सालों से बोला जा रहा है। कार्यवाही के नाम पर 9 दिन चले अढाई कोस की स्थिति बनी रहती है। जांच के नाम पर बड़े-बड़े दावे और वादे किए जाते हैं, लेकिन ना तो कभी जाँच रिपोर्ट सामने आती है ना ही किसी अपराधी को सजा मिलती हुई दिखती है। ताबड़तोड़ तरीके से बड़ी-बड़ी कार्यवाही दिखावे के लिए हो जाती है, लेकिन असल में होता-जाता कुछ नहीं है। मामले को शांत करने के लिए हर दुर्घटना, हादसे और अपराध में सरकारी खजाने से मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। इसे कहते हैं हर्र लगे ना फिटकरी, रंग चोखा हो जाए। सरकारी खजाने से मुआवजा देकर भाजपा नेता वाहवाही लूट लेते हैं। मामला भी शांत हो जाता है, जांच के बहाने मामला महीनों और सालों के लिए ठंडे बस्ते में चला जाता है। पिछले एक दशक से यही सब देखने को मिल रहा है। आम जनता को दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से जान और माल से हाथ धोना पड़ता है। यह घटना लगातार चलती रहती है। घटना हो जाने के बाद भी कोई सुधार नहीं आता है। जो दावे नेता और अधिकारियों द्वारा किए जाते हैं वह केवल बयान तक सीमित रहते हैं।

दिल्ली में हाल ही में जो इमारत गिरी है, इसमें सात की मौत हो गई है। करीब एक दर्जन घायल छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पूरी दिल्ली में इस तरह के निर्माण हजारों की संख्या में है। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार है। पिछले कई वर्षों से नगर निगम दिल्ली में भाजपा काबिज है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार भी भाजपा की है। एलजी भी भाजपा द्वारा नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले भी दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार जुमला यही रहता है हम किसी भी दोषी को बख्शेंगे नहीं, कड़ी से कड़ी सजा देंगे। कुछ दिनों तक मामला बयानों से सुर्खियों में बना रहता है। सरकारी खजाने से मुआवजा देने के बाद जैसे ही यह मामला शांत पड़ता है उसके बाद सरकार, दिल्ली नगर निगम और केंद्र सरकार सब कुंभकर्णी निद्रा में चले जाते हैं। अधिकारी, पार्षद, विधायक, मंत्री, पुलिस सब अपना अपना सुविधा शुल्क लेकर आंख बंद करके बैठे रहते हैं। किसी भी अधिकारी की कोई जिम्मेदारी निश्चित नहीं की जाती है। उसके ऊपर कोई दंडात्मक कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण घटना के बाद एक दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़ने की प्रक्रिया शुरू होती है। जांच चलती रहती है, निष्कर्ष कभी नहीं निकलता है। दोषी, रिश्वतखोर, भ्रष्टाचारी, अधिकारी, कर्मचारी और राजनेता हमेशा बचे रहते हैं। मामला न्यायपालिका के पास जाता है। न्यायपालिका भी दोषी अधिकारियों पर कभी कोई ऐसी दंडात्मक कार्यवाही नहीं करती है जिसके कारण अधिकारियों में कोई खौफ हो। दिल्ली में ऐसे हजारों निर्माण हैं, जो अवैध रूप से किए गए हैं। यह सब सामने दिखते हैं, लेकिन रिश्वत और भ्रष्टाचार में सभी की हिस्सेदारी होती है। यह काम अनवरत चल रहा है। सरकार और अधिकारियों को मालूम है, जब कोई घटना होगी उससे हमें कैसे निपटना है। भ्रष्टाचार और रिश्वत की कमाई इतनी बड़ी है कि इसकी छत्रछाया में आकर ईमानदार से ईमानदार अधिकारी और नेता भी अपने आपको इस व्यवस्था में ढाल लेता है। सबका अपना अपना भाग्य है, जो मर गए या जिन्हें नुकसान हुआ उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होते हैं। उनका भाग्य जिम्मेदार होता है। अधिकारी और नेता कर भी क्या सकते हैं। यही कहा जा सकता है। राम मंदिर में चंदा और चढ़ावा चोरी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी इसी तरह से कहा था। जांच कर रहे हैं, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। छोटे-मोटे कर्मचारियों को जेल भेजकर अब सारे मामले में पर्दा डाला जा रहा है। यह सारा देश देख रहा है। आम लोगों के बीच अब यह चर्चा होने लगी है। भाजपा नेता और डबल इंजन की सरकारों में दावे बहुत बड़े-बड़े किए जाते हैं, लेकिन वह दावे केवल अखबारों और मीडिया की सुर्खियों के लिए होते हैं। जिसके कारण अब आम जनता में भी जगह-जगह रोष देखने को मिलने लगा है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने नोएडा के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को गलत तरीके से आंदोलनकारी छात्रा को एनएसए में 5 महीने की हिरासत में रखा था, पर हाईकोर्ट ने 500000 रुपए का जुमार्ना अधिकारियों से वसूल करने का आदेश दिया है। यदि इसी तरह के आदेश न्यायपालिका की ओर से आने लगे, दोषी अधिकारियों कर्मचारियों और पद पर बैठे हुए संवैधानिक पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय होने लगे। सरकारी खजाने से पैसा बांटने के स्थान पर यदि दोषी अधिकारियों से वसूली की जाने लगे तो इस तरह के अवैध कार्यों और अवैध निमार्णों पर रोक लग सकती है। अभी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के कारण तथा किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से जिसकी मर्जी जो आ रहा है वह कर रहा है। जिसके कारण हर जगह अराजकता की स्थिति बनती चली जा रही है। अब तो अधिकारी अपने-अपने हिसाब से खुद नियम, कायदे-कानून बनाने लगे हैं। संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है।

कब तक बिकेगी शराब के नाम पर मौत की घुट्टी

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड ने हड़कंप मचा दिया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 112 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं. मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन इलाके की छह शराब दुकानों को सील कर दिया है. पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है. वहीं, मौतों के आंकड़े को लेकर सियासत भी गरमा गई है.

अभी अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर में भी नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

शराबबंदी वाले राज्यों में तस्करी का सिलसिला अधिक गंभीर है, अभी समस्तीपुर बिहार में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दिल्ली से आ रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास एसी कोच से 75 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में एक युवती नेहा और उसके जीजा को गिरफ्तार किया गया है।

जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? भावनगर शराब कांड में पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्यवार ऐसी मौतों का दस्तावेजीकरण करता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

बड़ोदरा से विकास की नई रेल, गुजरात की धरती से देश को नई रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने गृह राज्य गुजरात की धरती बड़ोदरा से देश के बुनियादी ढाँचे और रेल कनेक्टिविटी के विकास का एक नया अध्याय जोड़ा। बड़ोदरा में आयोजित कार्यक्रम में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें रेल, माल ढुलाई, सड़क, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं।

बड़ोदरा की धरती से होने वाला यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कड़ी देश के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने इसके तीन महत्वपूर्ण खंड राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 रूट किलोमीटर लंबे इन खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाँव-न्यू सफाले तथा न्यू सफाले-जेएनपीए खंड शामिल हैं। इन खंडों के राष्ट्र को समर्पित होने के साथ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ गया है।

यह उपलब्धि केवल रेलवे की नई पटरियों के विस्तार की कहानी नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को नई गति देने वाली आधारभूत संरचना है। मालगाड़ियों के लिए अलग समर्पित कॉरिडोर उपलब्ध होने से माल परिवहन की गति बढ़ेगी, ट्रांजिट टाइम कम होगा और औद्योगिक क्षेत्रों तथा बंदरगाहों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जेएनपीए तक सीधी कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात के माल की आवाजाही अधिक सुगम होने के साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण होने को देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसे विकसित भारत की यात्रा से जोड़ा। उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढाँचे को देश की आर्थिक प्रगति की आधारशिला बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सड़क, रेल, बंदरगाह और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेज विस्तार आवश्यक है। उनके संबोधन में गुजरात के विकास को देश के विकास से जोड़ने और विकास की गति को और तेज करने का संदेश भी स्पष्ट दिखाई दिया।

भारत जैसे विशाल देश में आर्थिक विकास की गति केवल उत्पादन बढ़ाने से निर्धारित नहीं होती। उत्पादन को बाजार तक पहुँचाने की गति, कच्चे माल को उद्योग तक पहुँचाने की क्षमता और बंदरगाहों से देश के अलग-अलग हिस्सों तक माल पहुँचाने की दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी दृष्टि से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत के बदलते लॉजिस्टिक्स तंत्र की रीढ़ बनने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्थानों से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। न्यू सानंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगाँव और न्यू जेएनपीए से मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत पश्चिमी भारत के औद्योगिक और व्यापारिक नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उद्योगों को माल की तेज आवाजाही का विकल्प मिलेगा और बंदरगाहों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिल सकती है।रेल विकास का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने बड़ोदरा और टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इससे बड़ोदरा के साथ छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जैसे क्षेत्रों के लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होने की उम्मीद है। वहीं छोटा उदयपुर-धार रेल परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित जोबट-टांडा रोड नई रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह रेल लाइन अलीराजपुर के दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। रेल संपर्क किसी क्षेत्र के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं होता, बल्कि उसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और पर्यटन की संभावनाएँ भी आगे बढ़ती हैं। ऐसे क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी देना उन्हें आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बड़ोदरा से आज केवल तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं हुआ, बल्कि भविष्य की रेल क्षमता बढ़ाने की नींव भी रखी गई। प्रधानमंत्री ने लगभग 329 किलोमीटर लंबी तीन रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन पर 9,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन, मियागाम करजन-चोरंडा-मालसर गेज परिवर्तन तथा विश्वामित्री-दभोई डबलिंग परियोजना शामिल हैं।

वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गुजरात और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाला यह रेल मार्ग यात्री तथा माल परिवहन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त रेल लाइनें बनने से मार्ग की क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी और बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। विकास के साथ जब यात्री और माल परिवहन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही हो, तब रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना समय की आवश्यकता बन जाता है।

सड़क परिवहन को भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। प्रधानमंत्री ने लगभग 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड का छह लेन में विस्तार, वडोदरा-सूरत खंड में तापी और नर्मदा पर प्रमुख पुलों सहित अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण तथा एनएच-53 पर अभवा, मिंधोला और खजोद जंक्शन पर ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है।

रेल और सड़क–दोनों क्षेत्रों में एक साथ हो रहा यह विस्तार बताता है कि आधुनिक भारत में कनेक्टिविटी को विकास की बुनियादी शर्त माना जा रहा है। किसी उद्योग को बाजार से जोड़ना हो, किसी बंदरगाह को औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ना हो या किसी दूरदराज गाँव और आदिवासी क्षेत्र को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ना हो, मजबूत परिवहन नेटवर्क उसकी पहली आवश्यकता है।

गुजरात की धरती से इन परियोजनाओं का शुभारम्भ अपने आप में विशेष संदेश देता है। गुजरात लंबे समय से उद्योग, बंदरगाह, व्यापार और निवेश के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। ऐसे में राज्य में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने का प्रभाव केवल गुजरात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पश्चिमी भारत के व्यापक औद्योगिक और व्यापारिक तंत्र पर पड़ेगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से बंदरगाहों तक माल की तेज आवाजाही, औद्योगिक केंद्रों तक बेहतर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स लागत में संभावित कमी भारतीय उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देने में सहायक हो सकती है। यही कारण है कि बड़ोदरा से शुरू होने वाली इन परियोजनाओं को केवल क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका संबंध देश की अर्थव्यवस्था, निर्यात क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका से भी जुड़ा है।

बड़ोदरा की धरती आज एक ऐसे विकास मॉडल की साक्षी बनी है, जिसमें रेलवे की नई पटरी केवल शहरों और राज्यों को नहीं जोड़ती, बल्कि उद्योग और बाजार को, बंदरगाह और उत्पादन केंद्र को तथा गाँव और महानगर को एक-दूसरे से जोड़ती है।

प्रधानमंत्री के संबोधन का व्यापक संदेश भी इसी दिशा में रहा कि विकसित भारत का संकल्प मजबूत बुनियादी ढाँचे के बिना पूरा नहीं हो सकता। नई रेल लाइनें, समर्पित माल ढुलाई गलियारे, आधुनिक राजमार्ग और बेहतर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मिलकर देश की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने का आधार तैयार करते हैं।

आज बड़ोदरा से विकास की जो नई रेल चली है, उसकी मंजिल केवल गुजरात नहीं है। इसकी दिशा पूरे देश की आर्थिक रफ्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और विकसित भारत के उस संकल्प की ओर है, जिसमें आधुनिक बुनियादी ढाँचा आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा करने का आधार बनेगा। गुजरात की धरती से शुरू हुआ यह विकास का सफर देश की विकास यात्रा को नई गति देने की क्षमता रखता है।

तिगरी गंगा धाम में गंगा का जलस्तर 200.70 सेमी बढ़ा,किसानों की फसलें जलमग्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गजरौला की तिगरी गंगा धाम में मंगलवार को गंगा का जलस्तर एक बार 5 सेंटीमीटर फिर बढ़ गया है सोमवार को बाढ़खंड विभाग के अधिकारियों ने गंगा के जलस्तर को 200.65 सेंटीमीटर दर्ज किया था। जो मंगलवार को बढ़कर 200.70 हो गया। तिगरी क्षेत्र में गंगा नदी के लगातार ऊफान के कारण क्षेत्र में किसानों की सैकड़ो बीघा फसलें जलमग्न हो गई हैं जिससे किसानों को भारी नुकसान होने की पूरी संभावना है। बता दें कि पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण अमरोहा में गंगा नदी उफान पर है। मंगलवार को तिगरी गंगा का जलस्तर 200.70 सेमी पहुंच गया, जो एक दिन पहले 200.65 सेमी था। इससे गंगा घाट पर पानी भर गया और पुरोहितों की झोपड़ियां डूब गईं।उधर, गांव ओसीताजगदेपुर में खेतों में चार-चार फीट तक पानी भर गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण हरिद्वार बैराज से लगातार गंगा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। कल के मुकाबले आज गंगा का जलस्तर 5 सेंटीमीटर और बढ़ गया है।ओसीताजगदेपुर समेत चार गांवों के किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें पानी में डूब गई हैं। ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा लाने में काफी दिक्कत हो रही है। किसान पानी में डूबी फसल को काटकर और पानी के बीच से गुजरकर आ-जा रहे हैं।इस संबंध में बाढ़ खंड तिगरी के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर पिछले कई दिनों से घट-बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा अभी खतरे के निशान से काफी दूर है और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निकाली गई जागरूकता रैली

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आगामी 12 सितंबर को ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली को जनपद न्यायाधीश विवेक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने बताया कि यह रैली जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर आम लोगों को लोक अदालत के लाभों के प्रति जागरूक करेगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनपद न्यायाधीश ने नागरिकों से अपील की है कि जिन लोगों के छोटे-छोटे मामले लंबे समय से लंबित हैं, वह लोक अदालत में उनका निस्तारण कराकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर को आयोजित लोक अदालत का मुख्य कार्यक्रम जनपद न्यायालय परिसर में होगा। उन्होंने जानकारी दी कि लोक अदालत में शमनीय आपराधिक मामलों के साथ ही धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस), बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, श्रम विवाद, बिजली-पानी के बिल से जुड़े मामले, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, सेवानिवृत्ति लाभ, राजस्व एवं अन्य सिविल मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

गजरौला के श्री राम मंदिर में जल प्रलय के शांत होने की कामना को लेकर हवनकुंड में दी आहूतियां

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गजरौला स्थित श्री राम मंदिर में सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमद भागवत पुराण के समापन पर आयोजित हवन-यज्ञ में जल प्रलय के शांत होने एवं विश्व में शांति-समृद्धि की कामना को लेकर आहूतियां दी गईं। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया।
बता दें कि मंगलवार को गजरौला में हाईवे किनारे मोहल्ला नाईपुरा में स्थित श्री राम मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद भागवत पुराण के समापन के उपरांत काशी से आए आचार्य धनन्जय पांडेय ने काशी से आए कथा वाचक आचार्य मारुति किंकर जी महाराज की मौजूदगी में हवन-यज्ञ कराया। यहां नेपाल समेत प्रदेश के कई हिस्सों में आई जल प्रलय के शांत होने के साथ ही विश्व में शांति, सौहार्द, समृद्धि की कामना की गई। मुख्य यजमान जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने अपनी पत्नी रंजना झा के संग पूजा में हिस्सा लिया और अग्निकुंड में आहूतियां दीं। इसके उपरांत श्री राम मंदिर में भव्य आरती भी की गई। इस मौके पर श्री राम मंदिर के मुख्य पुजारी मोहन मिश्रा, गोविंद पांडेय, जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, आरए शर्मा, पुनीत तिवारी, ऋषिपाल सिंह परमार, प्रदीप शर्मा, वीरेंद्र सिंह नेगी, सुनील तिवारी, सुनील सिंह, दिलीप पांडेय. संतोष राय, संतोष वर्मा, रेनू तिवारी, एनके तोमर, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद रहे। बता दें कि श्री राम मंदिर भरतियाग्राम के तत्वावधान में एक सितंबर को आरंभ हुई संगीतमयी श्रीमद भागवत पुराण का समापन सोमवार को हुआ। यहां काशी से आए कथा वाचक आचार्य मारुति किंकर जी महाराज ने अपने श्री मुख से अमृत वर्षा की।

जे0एस0 हिंदू इंटर कॉलेज में हुआ जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- समग्र शिक्षा माध्यमिक योजना अंतर्गत जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जे0एस0 हिंदू इंटर कॉलेज में किया गया। जनपद के विद्यालयों द्वारा जनपदीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में मनमोहक प्रदर्शन किया। स्कूल बैंड प्रदर्शन की छवि देखते ही बनती थी। स्कूल बंद प्रतियोगिता में जनपद की टीमों ने पूरे मनोयोग के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि शतानन्द शर्मा जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में स्कूल बैंड प्रतियोगिता जैसे मंच विद्यार्थियों में रचनात्मकता, टीम भावना, राष्ट्रभक्ति भावना का सृजन करते है जिससे छात्र/छात्राएं प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सुगम, सरल एवं टीम में काम करने का व्यवहार एवं गुण विकसित कर सकते हैं। मुख्य अतिथि ने समस्त विजेता टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की। जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता में सैंट मैरी कान्वेंट स्कूल गजरौला प्रथम विजेता, राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा द्वितीय विजेता एवं जे0एस0 हिंदू इंटर कॉलेज की स्कूल बैंड की टीम तृतीय विजेता पर रही। निर्णायक मंडल में सुरेंद्र सिंह क्रीड़ा प्रभारी , विजय सिंह क्रीड़ा सचिव कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा, राजवीर सिंह जे0एस0 हिन्दू इंटर कॉलेज अमरोहा रहे। इस अवसर पर जनपद स्तरीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता के नोडल डॉ0 जीपी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विजेता टीमों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर डॉ0 वी0के0 शुक्ला, शैलेश पंकज, डॉन बॉस्को शालिनी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया।

घरेलू कलह के चलते महिला ने किया जहरीली दवाई का सेवन, उपचार के दौरान मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने घरेलू कलह के चलते खेत में डालने वाली जहरीली दवाई का सेवन कर लिया जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची। जिसने महिला के शव की पंचायतनामा से संबंधित आवश्यक वैधानिक कार्रवाई को पूर्ण कराया और महिला के शव को उसके परिजनों को सौंप दिया। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहबाजपुर डोर का है जहां अमरोहा नगर की रहने वाली रहनुमा पत्नी हामिद उम्र 25 वर्ष ने घरेलू कलह के चलते खेत में डालने वाली जहरीली दवाई का सेवन कर लिया जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में जानकारी के मुताबिक मृतका के पिता याकूब पुत्र अब्दुल रब निवासी चेतरामपुर ,थाना व जनपद मुरादाबाद द्वारा बताया गया कि उनकी पुत्री रहनुमा का विवाह नवंबर 2024 में हामिद पुत्र जाहिद उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम शाहबाजपुर डोर, थाना गजरौला जनपद अमरोहा के साथ हुआ था। इसके बाद उनकी बेटी को एक बेटा भी हुआ। इसके अलावा इस मामले में आसपास के पड़ोस के लोगों ने बताया कि 3 सितंबर 2026 को पति-पत्नी के बीच घरेलू कहासुनी होने के कारण मृतका रहनुमा ने अपने घर में रखी खेत में डालने वाली जहरीली दवाई का सेवन कर लिया था। इसके बाद परिजनों द्वारा उसे उपचार हेतु नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे बेहतर उपचार हेतु मेरठ रेफर कर दिया गया। लेकिन उसकी हालत बिगड़ने के कारण उसकी 7 सितंबर 2026 को मौत हो गई। इसके बाद परिजन महिला रहनुमा के शव को ग्राम शाहबाजपुर डोर लेकर आ गए। इस घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी निरीक्षक गजरौला एवं चौकी प्रभारी औद्योगिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे इन्होंने मृतका के शव की पंचायतनामा संबंधी आवश्यक वैधानिक कार्यवाही नियम अनुसार पूर्ण कराई। इस मामले में मटका के पिता एवं परिजनों द्वारा कोई लिखित तहरीर प्रस्तुत नहीं की गई है। पुलिस का कहना है की तहरीर प्राप्त होने पर आरोपों के आधार पर नियम अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी ।फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

अब यूपी के सरकारी ऑफिसों में भी होगा एआई का इस्तेमाल, मुख्य सचिव ने दिया बड़ा अपडेट

लखनऊ। सरकारी दफ्तरों में फाइलों के निस्तारण से लेकर सूचनाओं के विश्लेषण और सेवाओं की निगरानी तक में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) शासन की रफ्तार बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने मंगलवार को योजना भवन में सर्वम एआइ के प्लेटफार्म इंडस को लेकर आयोजित कार्यशाला में सभी विभागों को एआइ आधारित उपकरणों और समाधानों का इस्तेमाल बढ़ाने के निर्देश दिए।कहा कि सरकारी कामकाज में एआइ के प्रभावी इस्तेमाल से कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बेहतर होगी। विभिन्न सरकारी कार्यों को पूरा करने में लगने वाला समय कम होगा और उत्पादकता बढ़ेगी। मौजूदा दौर में तकनीक के साथ कदमताल करते हुए एआइ को शासन व्यवस्था का प्रभावी सहयोगी उपकरण बनाना जरूरी है। एआइ आधारित समाधानों की पहचान कर इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर उन्होंने विभागों से अपनी जरूरतों के अनुरूप एआइ आधारित समाधानों की पहचान कर उनके व्यावहारिक इस्तेमाल को बढ़ावा देने को कहा, ताकि सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक सरल, तेज, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाया जा सके। कार्यशाला में शामिल अधिकारियों से एआइ की क्षमताओं और संभावनाओं को समझने तथा अपने अनुभव और सुझाव साझा करने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को एआइ के प्रभावी और जिम्मेदार इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित करें, ताकि इसका लाभ दिखाई दे। कार्यशाला का उद्देश्य सर्वम एआइ द्वारा विकसित इंडस से अधिकारियों को परिचित कराना और शासन के क्षेत्र में इसके संभावित उपयोग की जानकारी देना था। इस दौरान इंडस कोवर्क के व्यावहारिक इस्तेमाल पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों ने एआइ आधारित उपकरण के इस्तेमाल और उसकी विभिन्न क्षमताओं को समझा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव, प्रमुख सचिव स्टांप एवं पंजीयन अमित गुप्ता, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास सौरभ बाबू, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ऋतु माहेश्वरी और विशेष सचिव आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स समीर आदि उपस्थित रहे।

यूपी को जल्द मिलेगी 374 सड़कों की सौगात, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण यूपीआरआरडीए को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के फेज-4 के तहत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 374 मार्गों का जल्द से जल्द शिलान्यास कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। वहीं, योजना के फेज-3 के शेष मार्गों का निर्माण कार्य तत्काल पूरा कराया जाए। उपमुख्यमंत्री ने 250 आबादी वाले गांवों को भी योजना से जोड़ने के लिए भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने के लिए कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। मंगलवार को योजना भवन में हुई यूपीआरआरडीए की साधारण सभा की बैठक में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त विभाग से समन्वय कर वित्तीय स्वीकृतियां तत्काल जारी कराई जाएं। ग्रामीण मार्गों का निर्माण पूरा होने से पहले किनारे पर फलदार पौधे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य तकनीकी टीम मार्गों का परीक्षण पूरा करने के बाद ही केंद्रीय सर्वेक्षण टीम को बुलाए। बैठक में पीएमजीएसवाई के तहत मार्गों के नवीनीकरण-उच्चीकरण के लिए फुल डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक को अपनाने संबंधी कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया। बताया गया कि एफडीआर तकनीक से प्रदेश में 5809.99 किलोमीटर लंबाई की 746 सड़कों का निर्माण-उच्चीकरण किया गया है। इससे पारंपरिक तकनीक की तुलना में 1096.88 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इस तकनीक में लगभग 20 प्रतिशत कम सीमेंट का उपयोग होता है। साथ ही लगभग 1,600 किलोमीटर सड़कों में एग्रीगेट की 20 से 25 प्रतिशत तक बचत हुई है। उपमुख्यमंत्री ने यूपीआरआरडीए को सड़क रख-रखाव में प्रथम स्थान, पोस्ट-डीएलपी रख-रखाव में तीसरा स्थान और अधिकतम पूर्ण लंबाई में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर भी बधाई दी।
बैठक में राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास सौरभ बाबू, सचिव एवं आयुक्त ग्राम्य विकास प्रमोद कुमार उपाध्याय, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीआर आरडीए शिव सहाय अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

तहसील हसनपुर में सर्किल रेट की पुनरीक्षित दरों के संबंध में प्राप्त आपत्तियों की हुई सुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) नियमावली, 1997 एवं उत्तर प्रदेश स्टाम्प (सम्पत्ति का मूल्यांकन) (द्वितीय संशोधन) नियमावली-2013 तथा (तृतीय संशोधन) नियमावली-2015 के अंतर्गत निर्धारित व्यवस्था के अनुसार जनपद की समस्त तहसीलों से संबंधित मूल्यांकन सूची की पुनरीक्षित दरें निर्धारित किए जाने की कार्यवाही के क्रम में समिति का गठन किया गया था। समिति के प्रस्ताव के आधार पर प्रस्तावित मूल्यांकन सूची पर तहसीलवार प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज 08 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में तहसील सभागार, हसनपुर में तहसील हसनपुर से संबंधित प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई की गई। सुनवाई अपराह्न 12:00 बजे से सायं 03:00 बजे तक चली। तहसील हसनपुर में प्रस्तावित मूल्यांकन सूची के संबंध में सर्वाधिक 187 आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। सुनवाई के दौरान उपस्थित सभी आपत्तिकताओं को व्यक्तिगत रूप से सुना गया तथा उनकी आपत्तियों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही से उन्हें अवगत कराया गया। प्रस्तुत आपत्तियों एवं सुझावों पर नियमानुसार समाधान किए जाने के संबंध में आश्वस्त किया गया। सुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, सहायक महानिरीक्षक निबंधन अमरोहा अनूप कुमार सिन्हा, उप जिलाधिकारी हसनपुर, उप निबंधक हसनपुर एवं तहसीलदार हसनपुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासक नियुक्त होने के बाद निकल गई धनराशि के संबंध में 78 पंचायत सचिवों को नोटिस

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने प्रशासक नियुक्त होने के बाद निकाली गई धनराशि के संबंध में 78 पंचायत सचिवों को नोटिस जारी किया है। नोटिस में जयकिशोर, पंकज कुमार शर्मा, पवित्र कुमार, प्रियांशु, पुष्पा, रामवीर, सत्येंद्र सिंह, शेरो, जाली, पल्लवी, पारुल, विवेक, योगेंद्र सिंह, योगेश कुमार, अशोक कुमार, बंटी, महेश कुमार, मोहम्मद नसीम, राजीव कुमार, राजकुमार, राजकुमार सैनी, रामगोपाल, रोहित कुमार, संदीप सिंह, आंचल, सुदेश कुमार, गौरव कुमार, नेपाल सिंह, फोजिंदर कुमार, कुमारी मंजुला, जाहिद खान, उपेंद्र कुमार, मोहम्मद अनस, राहुल, संदीप कुमार, विद्युत यादव, कृपाल सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, कपिल कुमार यादव, धर्मपाल सिंह, राहुल राणा, दीपक, अर्चना, पृथ्वी सिंह, राजपाल सिंह, शिवम, ज्योति, हेमलता, अंजुम, सत्यम बंसल, सचिन पाल, राजकुमार, राजेश कुमार, परविंदर कुमार, मुस्तकीम अहमद, मोहित चौधरी, मोहम्मद अयूब, इमामुद्दीन, खुर्शीद अहमद, कपिल कुमार, देवेश कुमार, विजेंद्र कुमार त्यागी, अमरजीत सिंह, आलोक कुमार, विपिन कुमार, विकास कुमार, स्वप्निल कुमार, सुरेंद्र सिंह, रोनी, लाली, रामनिवास, पुष्पेंद्र सिंह, कवेंद्र सिंह, उमा परवीन, दिनेश कुमार, बृजेश कुमार, अविनाश कुमार और अतर सिंह सहित अन्य सचिवों के नाम शामिल हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी नितिन कुमार ने सभी संबंधित पंचायत सचिवों को एक सप्ताह का समय दिया है। स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं को मिली सौगात

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अयोध्या से मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का मानदेय बढ़ाकर 12,000 रुपये प्रतिमाह तथा सहायिकाओं का मानदेय 6,000 रुपये प्रतिमाह किये जाने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विकास भवन सभागार में हुआ। इसके साथ ही प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा तथा साड़ी हेतु धनराशि डीबीटी के माध्यम से संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के खातों में हस्तांतरित किये जाने की भी घोषणा की गई।
उक्त कार्यक्रम का प्रसारण अपराह्न 3:00 बजे से जनपद अमरोहा में विकास भवन सभागार में किया गया। इस अवसर पर सांसद कंवर सिंह तंवर, अध्यक्ष नगर पालिका अमरोहा शशि जैन, माननीय जिलामंत्री भाजपा अमरोहा विकास प्रजापति, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, परियोजना निदेशक अम्बरीश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश तिवारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री/सहायिका एवं बाल विकास विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा 14 उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की तीन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिये गये। अति कुपोषित बच्चों को सामान्य स्थिति में लाने वाले अभिभावकों को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल प्रदान किये गये। गर्भवती महिलाओं का गोदभराई तथा 6 माह पूर्ण करने वाले बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। लाभार्थियों को पोषण पोटली वितरित की गई।
इसके अतिरिक्त लगन एवं निष्ठा से कार्य करने वाले आउटसोर्स कार्मिकों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मानदेय वृद्धि की घोषणा से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं में उत्साह एवं हर्ष देखा गया। उन्होंने सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आभार जताया

पंजाब में बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ 'जीवनजोत' अभियान तेज, 195 हॉटस्पॉट पर छापा; बचाए गए 39 बच्चे

चंडीगढ़। पंजाब में बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ सरकार ने अभियान तेज कर दिया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर के नेतृत्व में प्रोजेक्ट जीवनजोत के तहत राज्यभर में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 39 बच्चों को भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किया गया। अभियान के तहत अलग-अलग समय में 195 हॉटस्पॉट की जांच करते हुए 82 विशेष रेड की गईं। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को संबंधित बाल कल्याण समितियों के समक्ष पेश किया गया। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार हर बच्चे को भिक्षावृत्ति, शोषण और असुरक्षा से मुक्त कर सुरक्षित बचपन देने के लिए प्रतिबद्ध है। बच्चों को केवल सड़कों से हटाना ही सरकार का उद्देश्य नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी अभियान का अहम हिस्सा है।27 बच्चों को स्वजन को सौंपा

मंत्री ने बताया कि रेस्क्यू किए गए बच्चों के दस्तावेज और पारिवारिक पहचान सत्यापित करने के बाद 27 बच्चों को मौके पर ही उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं 12 बच्चों को फिलहाल बाल गृहों में सुरक्षित रखा गया है। इन बच्चों को परिवार के साथ संबंध और पहचान की पूरी पुष्टि होने के बाद ही स्वजन को सौंपा जाएगा, ताकि बच्चों के सर्वोत्तम हित और सुरक्षा से किसी तरह का समझौता न हो।छह बच्चों

का स्कूल में दाखिला

बाल भिक्षावृत्ति से मुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास और शिक्षा पर भी विभाग ने काम शुरू कर दिया है। छह बच्चों के स्कूलों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं छह अन्य बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़ने की कार्रवाई चल रही है। इससे इन बच्चों को पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और समुचित विकास का लाभ मिल सकेगा।

तरनतारन में सबसे ज्यादा बच्चे मिले

विशेष अभियान के दौरान सबसे अधिक 10 बच्चों को तरनतारन से रेस्क्यू किया गया। इसके अलावा अमृतसर से नौ, लुधियाना से सात और एसएएस नगर से पांच बच्चों को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराया गया।

लोगों से 1098 पर सूचना देने की अपील

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि किसी भी बच्चे का स्थान सड़क पर नहीं, बल्कि स्कूल, आंगनवाड़ी और परिवार के सुरक्षित वातावरण में है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई बच्चा भीख मांगता दिखाई दे या किसी ऐसी स्थिति में मिले जहां उसे सुरक्षा की जरूरत हो तो इसकी सूचना तत्काल जिला बाल सुरक्षा इकाई, बाल कल्याण समिति या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें। उन्होंने कहा कि लोगों की एक सूचना किसी बच्चे का बचपन बचाने के साथ उसके भविष्य को नई दिशा दे सकती है।

क्या है प्रोजेक्ट जीवनजोत

प्रोजेक्ट जीवनजोत के तहत जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स के माध्यम से बाल भिक्षावृत्ति के हॉटस्पॉट चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है। अभियान में बच्चों को रेस्क्यू करने के साथ उनके परिवार की पहचान, सुरक्षा, पुनर्वास और शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बाल भिक्षावृत्ति के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

चंडीगढ़ में सुखना कैचमेंट में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद प्रशासन का एक्शन

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की सख्ती के बाद चंडीगढ़ प्रशासन ने मंगलवार को सुखना झील के कैचमेंट एरिया में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की।सुबह से ही कार्रवाई चल रही है। कैंबवाला गांव में प्रशासनिक टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कई अनधिकृत ढांचों को ध्वस्त कर दिया। दरअसल, कोर्ट की रोक के बावजूद कांवाला में नए निर्माण और बॉउंड्रीवाल खड़ी किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। 27 अगस्त को प्रशासन ने हाईकोर्ट में निरीक्षण के दौरान कोई नया अवैध निर्माण नहीं मिलने की बात कही थी। इसके बाद कोर्ट-नियुक्त लोकल कमिश्नर की रिपोर्ट और वीडियो फुटेज में बड़ी संख्या में नए निर्माण सामने आए। इस पर हाईकोर्ट ने प्रशासन की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से जवाब मांगा था। गौरतलब है कि मार्च 2020 में हाईकोर्ट ने सुखना झील को जीवित इकाई घोषित करते हुए कैचमेंट एरिया में कई गतिविधियों पर रोक लगाई थी। मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी। प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी शहर में इस समय जहां-जहां पर भी अवैध निर्माण किए गए हैं उनकी सूची अलग से तैयार की जा रही है।

दो महीने में शहर से 2 करोड़ की शराब तस्करी, निशाने पर चंडीगढ़ के तीन ठेकेदार और दो बॉटलिंग प्लांट

चंडीगढ़। चंडीगढ़ से शराब तस्करी का धंधा जोर-शोर से चल रहा है। 2 महीने में ही 2 करोड़ से अधिक की चंडीगढ़ से तस्करी हो रही शराब विभिन्न राज्यों में पकड़ी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश राजस्थान और हरियाणा की पुलिस चंडीगढ़ के इस नेटवर्क को तलाशने में लगी हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि चंडीगढ़ की शराब बिना होलोग्राम की अन्य राज्यों में कैसे पहुंच रही है। शहर के बॉटलिंग प्लांट एक्साइज डिपार्टमेंट की निगरानी में रहते है। ऐसे में शराब बाहर कैसे निकल रही है। शराब तस्करी में कुछ शराब ठेकेदारों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। इनके शहर की कॉलोनियों और गांव के साथ लगते ठेकों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे है। चंडीगढ़ में शराब पड़ोसी राज्यों की तुलना में सस्ती है। इस साल शराब के सभी ठेके नीलाम हो चुके है। डिपार्टमेंट

को रेवेन्यू भी रिकॉर्ड मिला है लेकिन प्रतिस्पर्धा के चलते ठेकों के सामने चुनौती बनी हुई है। ऐसे में लाभ कैसे कमाया जाए यही चुनौती ठेकेदारों के सामने बनी हुई है।अन्य राज्यों की पुलिस जहां शराब तस्करी को गंभीरता से ले रही है वहीं चंडीगढ़ पुलिस अभी इस मामले में सुस्त गई। विभाग ने भी अपनी कार्रवाई सिर्फ स्थानीय स्तर पर ही रखी हुई है।

एक्साइज डिपार्टमेंट को भी जानकारी है कि चंडीगढ़ से बड़े पैमाने पर शराब की तस्करी हो रही है। अब डिपार्टमेंट भी अब इसे गर्भीरता से लेते हुए अपनी फजीहत से बचने का प्रयास कर रहा है। टीमों का गठन

शहर से शराब की तस्करी को रोकने के लिए अब डिपार्टमेंट ने भी टीमों का गठन किया है जो ठेकों ओर बॉटलिंग प्लांट पर नजर रख रही है। शहर में एक दर्जन से अधिक बॉटलिंग प्लांट है। शहर के तीन बॉटलिंग प्लांट की कार्यप्रणाली संदिग्ध है। अन्य राज्यों में पकड़ी जा रही शराब इन्हीं बॉटलिंग प्लांट की है।

मान-भत्ता कर्मचारियों ने मोहाली में किया प्रदर्शन, चंडीगढ़ की तरफ कूच; पुलिस ने बॉर्डर पर ही रोका

मोहाली। मांगों को लेकर मान-भत्ता वर्कर्स सांझा मोर्चा की ओर से मोहाली में रोष प्रदर्शन किया गया। फेज-8 स्थित गुरुद्वारा अंब साहिब के सामने खुले मैदान में प्रदेश प्रधान परमजीत कौर के नेतृत्व में कर्मचारियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन में करीब 500 कर्मचारी शामिल हुए।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में पंजाब सरकार के पे-स्केल के अनुसार वेतन का भुगतान करना सहित अन्य मांगें शामिल रहीं। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार के समक्ष आवाज उठाई जा रही है, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण उन्हें संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ रहा है।धरने के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर चंडीगढ़ की ओर कूच किया।

बड़ी संख्या में कर्मचारी नारेबाजी करते हुए मोहाली-चंडीगढ़ बैरियर की तरफ बढ़े। प्रदर्शनकारियों को बुड़ैल जेल रोड की ओर जाने वाले बैरियर प्वाइंट पर पुलिस प्रशासन ने रोक दिया।

बड़ी संख्या में कर्मचारियों के चंडीगढ़ की ओर बढ़ने के कारण पुलिस प्रशासन ने पहले ही सुरक्षा व्यवस्था की हुई है। मान-भत्ता वर्कर्स सांझा मोर्चा ने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान करने की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगों का समाधान नहीं किया जाता, संघर्ष जारी रखा जाएगा।

चंडीगढ़ में ओला और InDrive के बाद अब Uber-Rapido पर भी बैन, छह माह के लिए लाइसेंस निलंबित

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एप आधारित कैब और बाइक टैक्सी सेवाएं संचालित करने वाली कंपनियों पर प्रशासन ने शिकंजा कसा है। ओला और इंड्राइव के बाद अब उबर और रैपिडो का एग्रीगेटर लाइसेंस छह महीने के

लिए निलंबित कर दिया गया है। यह आदेश एसटीए सचिव एवं लाइसेंसिंग अथॉरिटी नितिश सिंगला ने जारी किया है। कैब और टैक्सी चालकों के करीब 100 दिन से चल रहे धरने और 15 दिन की भूख हड़ताल के बीच स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (एसटीए) ने यह फैसला लिया है।एसटीए के आदेश के अनुसार उबर इंडिया सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड और रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज (रैपिडो) के खिलाफ नियमों और लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन की शिकायतें मिली थीं। कंपनियों को कई बार नोटिस देकर अनुपालन का अवसर दिया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब और जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। आदेश में गैर-व्यावसायिक वाहनों के संचालन समेत अन्य उल्लंघनों का भी उल्लेख है।

जालंधर में वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, भोगपुर पुलिस ने 2 आरोपियों को दबोचा; बरामद की मोटरसाइकिल

जालंधर। जालंधर के थाना भोगपुर पुलिस ने क्षेत्र में बढ़ते चोरी के मामलों पर संज्ञान लेते हुए वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों को चोरी के मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए दोनों आरोपित वाहन चोरी की वारदातों में शामिल रहे हैं और चोरी किए गए मोटरसाइकिल को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जांच में सामने आया है कि आरोपितों के और भी साथी हैं, जो गिरोह में शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक एएसआइ सरबजीत सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के संबंध में नाकाबंदी कर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अवतार सिंह निवासी गांव बूनदड़ा, थाना भोगपुर और उसका साथी अलीशा मसीह निवासी गांव ऊटर, थाना भोगपुर वाहन चोरी करने के आदी हैं। चोर चोरी का माल बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे थे दोनों आरोपी चोरी किए गए मोटरसाइकिल के साथ इलाके में मौजूद हैं और उसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का मोटरसाइकिल भी बरामद किया है। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि दोनों ने अब तक कितने वाहन चोरी किए हैं और चोरी के वाहनों को किन लोगों को बेचा जाता था। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में इनके अलावा और कितने लोग शामिल हैं। एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि आरोपितों से पूछताछ के बाद वाहन चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में भी वारदातें हल होने की संभावना है।

पिता को भेजा नहर में छलांग का सुसाइड वीडियो, रातभर चली तलाश; सुबह घर लौटकर बोला- 'लव मैरिज करनी है'

बठिंडा। नहर में छलांग लगाने का वीडियो बनाकर परिवार को भेजने वाले रामां मंडी के करीब 20 वर्षीय युवक ने रातभर पुलिस व समाजसेवी टीमों को परेशान करने के बाद अगले दिन सुबह घर पहुंचकर सबको हैरान कर दिया। युवक ने बठिंडा की सरहिंद नहर की बठिंडा ब्रांच के पुल पर अपना मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन छोड़ दिया था। इसके बाद उसने कथित तौर पर नहर में छलांग लगाने की बात कहते हुए एक वीडियो अपने पिता व कुछ परिचितों को भेज दिया।वीडियो मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया और इसकी सूचना नौजवान वेलफेयर सोसायटी को दी गई। सूचना मिलते ही सोसायटी के अध्यक्ष सोनू महेश्वरी की अगुवाई में टीम रात में ही मौके पर पहुंच गई और युवक की तलाश शुरू कर दी।अंधेरा होने के बावजूद कार्यकर्ताओं ने नहर के किनारों और आसपास के क्षेत्र में कई घंटे तक खोजबीन की। मौके से युवक का मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद होने के कारण उसके नहर में छलांग लगाने की आशंका और गहरा गई। नहर किनारे नहीं मिले छलांग लगाने के निशान तलाशी के दौरान नहर के किनारे ऐसा कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला, जिससे यह पुष्टि हो सके कि युवक ने पानी में छलांग लगाई थी। मौके पर न तो पैर फिसलने या मिट्टी खिसकने के स्पष्ट निशान मिले और न ही ऐसा कोई अन्य साक्ष्य सामने आया, जिससे युवक के नहर में गिरने की पुष्टि होती। रात अधिक होने के कारण सोसायटी की टीम को तलाश अभियान रोकना पड़ा। इस दौरान युवक के परिजन पूरी रात उसकी सलामती को लेकर परेशान रहे। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। सुबह खुद घर पहुंचा युवक, परिवार ने ली राहत की सांस अगली सुबह युवक अचानक सकुशल अपने घर पहुंच गया। उसे सामने देखकर परिवार की चिंता खुशी में बदल गई। इसके बाद सामने आया कि युवक के नहर में छलांग लगाने की बात सही नहीं थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक अपनी पसंद की लड़की से लव मैरिज करना चाहता था और कथित तौर पर परिवार पर शादी के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से उसने यह पूरा घटनाक्रम रचा।

हालांकि, मामले के इस पहलू की पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नौजवान वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सोनू महेश्वरी ने भी बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि युवक लव मैरिज करना चाहता था और इसी कारण उसने ऐसा कदम उठाया। नहर में छलांग की सूचना हो तो नहीं लिया जा सकता जोखिम नौजवान वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष सोनू महेश्वरी ने कहा कि किसी व्यक्ति के नहर में छलांग लगाने या लापता होने की सूचना मिलने पर संस्था इसे गंभीरता से लेती है। ऐसी सूचना मिलने पर किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जाता और तुरंत तलाश अभियान शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी टीम ने रात के समय कई घंटे तक युवक की तलाश की। इस तरह की झूठी अथवा गुमराह करने वाली सूचनाओं से बचाव टीमों का कीमती समय और संसाधन खर्च होते हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी संस्था को इस तरह की गलत सूचनाएं मिलने के मामले सामने आ चुके हैं।

पंजाबी गायक परमीश वर्मा फायरिंग केस में चार पुलिस अफसरों के गैर-जमानती वारंट, पेश न होने पर कोर्ट सख्त

मोहाली। गैंगस्टर दिलप्रीत बाबा और उसके साथियों की ओर से पंजाबी गायक एवं अभिनेता परमीश वर्मा और उसके दोस्त पर गोलियां चलाने के मामले में अदालत ने चार पुलिस अधिकारियों के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इनमें तीन एएसआई और एक एसआई शामिल हैं। आरोप है कि पुलिस अधिकारियों की ओर से अदालत में गवाही देने के लिए बार-बार समन जारी किए जाने के बावजूद वे पेश नहीं हुए। इस कारण अदालत ने सख्ती बरतते हुए गैरजमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करने के आदेश दिए हैं।अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि उन्हें गिरफ्तार कर अगली सुनवाई पर अदालत में पेश किया जाए। मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष की ओर से बताया गया कि अधिकारियों को कई बार समन भेजे गए, लेकिन इसके बावजूद वे अदालत में पेश नहीं

हुए।अदालत की ओर से गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने वालों में गवाह गुरकीरत सिंह, एएसआई सुखपाल सिंह, एएसआई जसपाल सिंह, एएसआई सेवा सिंह और एसआई मलकीत सिंह शामिल हैं। अदालत ने पुलिस को इन अधिकारियों को गिरफ्तार कर निर्धारित तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले में अहलमद द्वारा कोई कार्रवाई जारी नहीं की गई। अदालत ने अहलमद को भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी दी है। अवज्ञा के मामले में पंजाब कोर्ट्स एक्ट की धारा 36 के तहत कार्रवाई की जाएगी। 18 सितंबर 2024 को अदालत ने मामले में गवाही देने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को समन जारी किए थे। इसके बाद भी अधिकारियों की ओर से गवाही के लिए पेश नहीं होने पर अदालत ने यह कार्रवाई की है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 सितंबर निर्धारित की है।

2018 में हुई थी फायरिंग

13 अप्रैल 2018 की रात पंजाबी गायक और अभिनेता परमीश वर्मा चंडीगढ़ के एलांते मॉल में एक प्रमोशनल इवेंट के बाद अपने दोस्त कुलवंत चहल के साथ मोहाली स्थित अपने घर लौट रहे थे। सेक्टर-91 के पास उन पर फायरिंग हुई थी। हमले के अगले दिन गैंगस्टर दिलप्रीत सिंह बाबा ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डालकर हमले की जिम्मेदारी ली थी। पोस्ट में उसने परमीश वर्मा को धमकी भी दी थी। पुलिस जांच में सामने आया था कि परमीश से रंगदारी मांगी गई थी। मांग पूरी नहीं होने के बाद उन्हें डराने के इरादे से हमला किए जाने की बात सामने आई थी। बाद में पुलिस ने दिलप्रीत सिंह बाबा और उसके कुछ साथियों को गिरफ्तार किया था।

पंजाबी सिंगर बागी के शो में गोली चलने की अफवाह, स्टेज पर मची अफरा-तफरी

मंडी गोबिंदगढ़। औद्योगिक नगरी के खालसा स्कूल में विवादों के साए में आयोजित 'सखी शक्ति मेले' के दौरान हुई एक संदिग्ध घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में पंजाबी गायक 'बागी' की लाइव परफॉर्मेंस के दौरान अचानक गोली जैसी तेज आवाज सुनाई देती है, जिससे एक पल के लिए गायक खुद भी घबरा जाते हैं और मंच पर अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। हालांकि, मौके पर तैनात पुलिस और गायक के निजी सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला, जिसके बाद कार्यक्रम को आगे जारी रखा गया। सूत्रों के मुताबिक, यह आवाज गायक के ही एक निजी सुरक्षाकर्मी के हथियार से चली गोली की थी। गनीमत

यह रही कि गोली चलते समय बंदूक की नाल आसमान की तरफ थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सार्वजनिक आयोजनों में इस तरह हथियारों का प्रदर्शन और लापरवाही किसी बड़ी अनहोनी को न्योता दे सकती है।पंजाब में लाइव कॉन्सर्ट या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में फायरिंग की घटनाएं पहले भी चिंता का विषय रही हैं। इससे पहले भी गायक सिद्धू मूसेवाला और अन्य कलाकारों के शो व कार्यक्रमों में हवाई फायरिंग की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, जिसको लेकर प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सख्त दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं।इस पूरे घटनाक्रम पर जब मंडी गोबिंदगढ़ के थाना प्रभारी संदीप सिंह से बात की गई तो उन्होंने मेले में गोली चलने की बात से साफ इनकार कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस के पास इस संबंध में कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

उन्होंने दावा किया कि मंच के पास शॉर्ट सर्किट होने के कारण धमाके जैसी आवाज हुई थी, जिसे गलतफहमी में गोली चलने की आवाज समझा जा रहा है। पुलिस भले ही इसे शॉर्ट सर्किट करार दे रही हो, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो और मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के दावे मामले में सुरक्षा चूक की ओर इशारा कर रहे हैं।

वायरल वीडियो के बाद पंजाब में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस का बड़ा सर्च ऑपरेशन, 20 टीमों ने खंगाली बस्तियां

बठिंडा। पिज्जा की डिलीवरी के लिए 30 मिनट का इंतजार और हेरोइन की डिलीवरी महज दो मिनट में। इंटरनेट मीडिया पर वायरल इस दावे ने बठिंडा पुलिस को संगत मंडी में बड़े सर्च आपरेशन के लिए मजबूर कर दिया। संगत मंडी क्षेत्र में कथित तौर पर खुलेआम हेरोइन की बिक्री का वीडियो वायरल होने के करीब तीन दिन बाद मंगलवार सुबह पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। सुबह-सुबह 20 पुलिस टीमों ने करीब 220 जवानों के साथ संदिग्ध बस्तियों और नशे के लिहाज से संवेदनशील इलाकों को खंगाला। घर-घर तलाशी के साथ संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। इस दौरान कुछ लोगों को हिरासत में लिए जाने और उनके पास से नशीले पदार्थ बरामद होने की सूचना भी सामने आई है। यह कार्रवाई उस वायरल वीडियो के बाद हुई, जिसने संगत मंडी में नशे के कारोबार को लेकर पुलिस के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी थी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हेरोइन की सरेआम बिक्री का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया था।वीडियो के जरिये उन्होंने पुलिस के नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि पिज्जा की डिलीवरी के लिए 30 मिनट का समय लगता है, लेकिन हेरोइन की डिलीवरी महज दो मिनट में हो रही है।वीडियो वायरल होते ही दंपती पर केस, तीन ग्राम हेरोइन बरामद वायरल वीडियो के बाद बठिंडा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक दंपती के खिलाफ नशा तस्करी का केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब तीन ग्राम हेरोइन बरामद करने की बात कही थी। हालांकि, इसके बाद शिअद कार्यकर्ताओं की ओर से दोबारा नशे की कथित खुलेआम बिक्री का वीडियो सामने आने से पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे थे। इसी के बाद मंगलवार को संगत मंडी में व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गलियों से लेकर घरों तक पहुंची पुलिस की टीमें सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने नशे के लिहाज से संवेदनशील माने जा रहे इलाकों और संदिग्ध बस्तियों को निशाने पर लिया। जवानों ने घरों की तलाशी लेने के साथ वहां रहने वाले लोगों से पूछताछ की। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की जानकारी जुटाई गई और कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ हिरासत में लिए गए लोगों से नशीले पदार्थ मिलने की सूचना भी है। हालांकि, पुलिस की ओर से बरामदगी की मात्रा और हिरासत में लिए गए लोगों के बारे में आधिकारिक विस्तृत जानकारी अभी साझा नहीं की गई है।वायरल वीडियो पर एसपी ने कहा- तुरंत लिया संज्ञान एसपी हेडक्वार्टर जगदीश कुमार बिश्नोई ने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में संगत मंडी क्षेत्र में नशे से संबंधित गतिविधियों की जानकारी सामने आई थी। पुलिस प्रशासन ने वीडियो का तुरंत संज्ञान लेते हुए मंगलवार को बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया। उन्होंने कहा कि नशे की तस्करी या इससे संबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नशे के खिलाफ अभियान किसी एक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा। संवेदनशील और संदिग्ध इलाकों में आगे भी सर्च ऑपरेशन जारी रखे जाएंगे और नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जाएगा।

'मोहाली के फ्लैट में कोई नहीं रहता', राघव चड्ढा के वोट पर आप का पलटवार; 30 अगस्त तक दिल्ली की लिस्ट में नहीं था नाम

चंडीगढ़। राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा नेता राघव चड्ढा की पंजाब में मतदाता पहचान को लेकर चल रहे विवाद के बीच आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को प्रेस कन्फ्रेंस कर कई सवाल खड़े किए। आप नेता अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि मोहाली के जिस फ्लैट नंबर 103 को राघव चड्ढा का पता बताया जा रहा है, वहां अब कोई नहीं रहता।

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि चड्ढा का नाम 30 अगस्त तक दिल्ली की ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं था तो इसके बाद उनका नाम किस प्रक्रिया के तहत जुड़ा और बिना निर्धारित फार्म भरे नाम कैसे शामिल हुआ। ढांडा ने आरोप लगाया कि राघव चड्ढा ने बैकडेट में दिल्ली में अपनी वोट बनवाने का प्रयास किया है।उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा किसी की भी वोट कटवा सकती है। आप नेता ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची तैयार करने की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की।फ्लैट नंबर 103 का वीडियो दिखाया

अनुराग ढांडा ने मोहाली के फ्लैट नंबर 103 से संबंधित एक वीडियो भी दिखाया। वीडियो में एक पत्रकार सिक्योरिटी गार्ड के साथ फ्लैट तक पहुंचता दिखाई देता है। गार्ड वीडियो में कहता है कि उसने राघव चड्ढा को कभी यहां नहीं देखा। फ्लैट के अंदर भी ज्यादा सामान नहीं दिखाई देता और कमरों की हालत भी ठीक नहीं

बताई गई।

ढांडा ने कहा कि जब संबंधित पते पर राघव चड्ढा के रहने के प्रमाण नहीं मिल रहे हैं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन्होंने पंजाब में मतदाता के रूप में अपना नाम किस आधार पर दर्ज कराया था। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का मतदाता पंजीकरण एक समय में दो स्थानों पर नहीं हो सकता।

दिल्ली की मतदाता सूची पर भी सवाल

आप नेता ने दावा किया कि 31 अगस्त को दिल्ली की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हुई थी। इसमें राजिंदर नगर विधानसभा क्षेत्र की सूची में राघव चड्ढा का नाम नहीं था। ढांडा ने सवाल किया कि यदि बाद में उनका नाम दिल्ली की मतदाता सूची में शामिल हुआ है तो इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं।

उन्होंने कहा कि यदि राघव चड्ढा पंजाब में एसआईआर के तहत अपने मतदाता अधिकार का दावा कर रहे हैं तो उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनका सामान्य निवास कहां है। ढांडा ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में मनमानी की जा रही है।

गौरतलब है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद जारी पंजाब की ड्राफ्ट मतदाता सूची में राघव चड्ढा का नाम ह्यापरमानेंटली शिफ्टेडह्न दर्ज हुआ है। चड्ढा ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए कहा था कि वह पंजाब से मौजूदा राज्यसभा सदस्य हैं और उनका मतदाता पहचान पत्र मोहाली में पंजीकृत है। उन्होंने कहा था कि अंतिम मतदाता सूची अभी जारी नहीं हुई है और वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। अधिकारियों का कहना- वोट काटी नहीं गई चुनाव अधिकारियों के अनुसार चड्ढा की वोट किसी अधिकारी ने मनमाने ढंग से नहीं काटी है। एसआईआर के दौरान सत्यापन प्रक्रिया में उनका नाम परमानेंटली शिफ्टेड के रूप में दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक संबंधित दस्तावेज पर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बूथ लेवल एजेंट के हस्ताक्षर भी हैं।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह ड्राफ्ट सूची है, इसलिए स्थिति अंतिम नहीं है। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अंतिम मतदाता सूची में स्थिति स्पष्ट होगी। ध्यान रहे कि राघव चड्ढा वर्ष 2022 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। अप्रैल 2026 में वह भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद पंजाब में उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर लगातार चर्चा रही है।

गढ़ में भाकियू संघर्ष ने एसडीएम और एसडीओ को सौंपा 7 सूत्रीय ज्ञापन, समस्याओं के समाधान की मांग

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन संघर्ष अराजनैतिक के युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित के नेतृत्व में गढ़मुक्तेश्वर की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम गढ़ और एसडीओ सिम्भावली को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन द्वारा अपनी प्रमुख मांगो में गढ़-मेरठ रोड की स्थिति बेहद खराब है, कई बार धरना देने के बाद काम हुआ लेकिन मजबूती से नहीं हुआ, सड़क बनते ही टूट गई। सड़क का पुनर्निर्माण मजबूती से कराया जाए। पुरानी नगर पालिका के पास कार्यकर्ता के मकान के पीछे नाला कूड़े से भरा है, पानी दीवारों में भर रहा है, कभी भी बड़ी घटना हो सकती है, उसकी साफ-सफाई कराई जाए। गढ़मुक्तेश्वर में लगे ट्रांसफार्मरों के पास फ्यूज बॉक्स लगवाए जाएं, ताकि फॉल्ट होने पर फ्यूज उड़ जाए और उसे जल्दी ठीक किया जा सके। नगर में बंदरों का आतंक बढ़ गया है, कई बच्चों व बड़ों को काटा है, पिंजरा लगवाकर बंदरों को पकड़कर जंगल में छुड़वाया जाए। सरकारी अस्पताल में कई महीनों से एक्स-रे मशीन खराब पड़ी है, मरीज परेशान हैं, मशीन को ठीक कराया जाए। गंगा बृजघाट गेस्ट हाउस के बाहर श्रद्धालुओं के लिए वाटर कूलर लगवाया जाए। वैठ गांव निवासी इमाम अली का बिजली बिल जमा होने के बावजूद दोबारा जुड़कर आ रहा था, जिससे पुत्र अरशद अली 6 महीने से परेशान था। तहसील की मासिक बैठक में एसडीओ सिम्भावली को बुलाकर समस्या का निस्तारण कराया गया, एसडीओ ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष नितेश पंडित, मेरठ मंडल सचिव खालिद, राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर इस्तेखार, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. जावेद अली, तहसील अध्यक्ष कदीर, तहसील उपाध्यक्ष बाबर अली, यामीन, अरशद अली, चंद्रपाल, अजय शर्मा, सौरभ जाटव, शोएब, रिजवान चौधरी, अनीश अल्वी, अनुज, विशाल, सुभाष, मदन सैनी, तिलक, जाकिर, फैजान, नौशाद, हारून सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो सरकारी कॉलेजों से वेतन लेने के आरोप में तीन शिक्षक गिरफ्तार

डबल सैलरी प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई, न्यायालय ने भेजा न्यायिक हिरासत में

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- दो अलग-अलग सरकारी कॉलेजों से कथित रूप से एक साथ वेतन लेने के मामले में धामपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शिक्षकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोकेन्द्र कुमार, मुकेश कुमार और पंकज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपी राधेलाल मेमोरियल डिग्री कॉलेज, अफजलगढ़ तथा सौभाग्यवती बाई महाविद्यालय, धामपुर दोनों संस्थानों से वेतन प्राप्त कर रहे थे। मामले में कॉलेज की प्राचार्य की ओर से पुलिस को लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत के आधार पर जांच की गई, जिसके बाद संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। एसपी की मुताबिक पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के बाद कार्रवाई की है। प्रकरण में सामने आए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है। धामपुर पुलिस की कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में भी मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अब जांच में यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि दोनों संस्थानों से वेतन लेने के आरोप में सरकारी अभिलेखों में किस स्तर पर अनियमितता हुई और इसमें अन्य कोई व्यक्ति भी शामिल है या नहीं।

तमंचे से फायरिंग करने के प्रयास के बाद गांव में दहशत

ग्रामीणों ने विरोध किया तो युवक ने तमंचा तानने का किया प्रयास, दोनों आरोपी फरार

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नूरपुर क्षेत्र के ग्राम आजमपुर में दो युवकों द्वारा कथित रूप से तमंचे से फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। फायरिंग की घटना से गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने जब इसका विरोध करते हुए एक युवक को पकड़ने का प्रयास किया तो आरोप है कि उसने ग्रामीणों की ओर तमंचा तानकर फायर करने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीण किसी तरह पीछे हट गए। बताया गया कि गांव में दो युवक तमंचे से फायरिंग कर रहे थे। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने युवकों की हरकत का विरोध किया और उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान फैसल नामक युवक द्वारा ग्रामीणों पर तमंचा तानने और फायर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद दोनों युवक मौके से फरार हो गए। दिनदहाड़े फायरिंग की घटना से ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर गांव में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है। उधर, सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस आरोपों की पुष्टि के साथ ही फायरिंग करने वाले युवकों की तलाश कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति और आगे की कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी।

परिवहन विभाग के ऑपरेशन कवचऔर ऑपरेशन अज्ञात के अंतर्गत 57 वाहनों पर कार्रवाई

बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर प्लेट और अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ चला अभियान; वाहन चालकों में मचा हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- परिवहन विभाग ने बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर प्लेट तथा अनाधिकृत रूप से यात्रियों का परिवहन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। विभाग की ओर से चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन अज्ञात और ऑपरेशन कवच के तहत बीते दो दिनों में कुल 57 वाहनों के चालान किए गए।kअभियान के लिए एआरटीओ महेश शर्मा ने दो टीमों का गठन किया। एक टीम का नेतृत्व स्वयं एआरटीओ महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम की कमान पीटीओ मुन्ना लाल को सौंपी गई। कार्रवाई में रोडवेज के एआरएम अशोक सिंह भी शामिल रहे। परिवहन विभाग की टीमों ने नजीबाबाद रोड, बैराज रोड, चांदपुर रोड और धामपुर रोड पर वाहनों की सघन जांच की। ऑपरेशन अज्ञात के तहत बिना नंबर प्लेट अथवा अस्पष्ट नंबर प्लेट लगाकर चल रहे वाहनों को चिह्नित कर कार्रवाई की गई। वहीं ऑपरेशन कवच के तहत अनाधिकृत रूप से यात्रियों को बैठाकर संचालित किए जा रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। विभाग के अनुसार दो दिनों में ऑपरेशन अज्ञात के तहत 27 वाहनों तथा ऑपरेशन कवच के तहत 30 वाहनों के चालान किए गए। कार्रवाई की खबर फैलते ही वाहन चालकों और वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई से बचने के लिए कई लोगों ने सिफारिश कराने का प्रयास भी किया, लेकिन एआरटीओ महेश शर्मा ने नियमों के उल्लंघन पर किसी प्रकार की ढील नहीं दी। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर प्लेट अथवा अनाधिकृत रूप से यात्री परिवहन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ऐसे वाहनों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

मुफ़्त स्कूटी योजना: पहले आवेदन फिर शपथ पत्र, जानें कैसे मिलेगा रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का लाभ

कानपुर। रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का लाभ पाने की उम्मीद में वेरिफिकेशन कराने पहुंच रहीं छात्राओं को विश्वविद्यालय की अतिरिक्त कागजी प्रक्रिया परेशान कर रही है। आवेदन से लेकर कालेज स्तर पर दस्तावेज सत्यापन तक शपथ पत्र देने के बाद अब छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के वेरिफिकेशन सेंटर पर छात्राओं से अलग से शपथ पत्र लिया जा रहा है। इससे छात्राओं को दस्तावेज जमा करने के बाद भी वेरिफिकेशन पूरा कराने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। स्नातक पास छात्राओं के लिए प्रदेश सरकार की ओर से शुरू की गई योजना के तहत छात्राओं ने कालेज स्तर पर आवेदन किया था। आवेदन के दौरान आय, निवास समेत अन्य जानकारियों के लिए आवश्यक शपथ पत्र भी दिए गए। इसके बाद कालेज स्तर से दस्तावेजों को अप्रूव करते समय भी शपथ पत्र की प्रक्रिया पूरी की गई। अब विश्वविद्यालय में वेरिफिकेशन के लिए पहुंचने पर एक और शपथ पत्र मांगा जा रहा है। दस्तावेज जमा, फिर भी नहीं पूरा हो रहा काम वेरिफिकेशन सेंटर पर छात्राएं अपने सभी जरूरी दस्तावेज लेकर पहुंच रही हैं। दस्तावेज जमा करने के बाद उन्हें बताया जा रहा है कि अलग से शपथ पत्र भी देना होगा। शपथ पत्र में छात्राओं को यह घोषित करना है कि आवेदन में उनके द्वारा दी गई सभी सूचनाएं सही हैं। भविष्य में कोई जानकारी गलत मिलने पर इसकी जिम्मेदारी स्वयं छात्रा की होगी। इसके बाद ही वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जानें क्या कहना है विश्वविद्यालय प्रशासन का विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि शासन स्तर पर हुई बैठक में छात्राओं से अलग शपथ पत्र लेने के निर्देश दिए गए हैं। इसका उद्देश्य गलत सूचना दिए जाने की स्थिति में जिम्मेदारी तय करना है। हालांकि छात्राओं का सवाल है कि जब आवेदन और कालेज स्तर पर पहले ही शपथ पत्र लिए जा चुके हैं तो विश्वविद्यालय में दोबारा वही प्रक्रिया क्यों कराई जा रही है। छात्राओं का कहना है कि पहले से स्पष्ट जानकारी और व्यवस्था होती तो वेरिफिकेशन सेंटर पर उन्हें अतिरिक्त परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

स्याना में तेंदुए की दहशत से तीन गांवों में खौफ, हापुड़-बुलंदशहर में सर्च ऑपरेशन जारी

स्याना/बुलंदशहर (सबका सपना): जनपद के तहसील स्याना के भरना और लाडपुर गांव में तेंदुआ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। शाम होते ही गांव की गलियों में सन्नाटा पसर जाता है। ग्रामीणों के अनुसार सबसे पहले लाडपुर के किसानों ने खेतों में काम करते समय तेंदुए को देखा था। तेंदुए को देखकर अफरा-तफरी मच गई और किसान जान बचाकर गांव की ओर भागे। उसके बाद से खेतों और झाड़ियों में तेंदुए के पंजों के निशान देखे जा रहे हैं। मंगलवार को सूचना मिलते ही हापुड़ और बुलंदशहर दोनों जिलों की वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और गन्ने के खेतों व नाले के आसपास सर्च अभियान चलाया।इस मामले में रेंजर योगेश कुमार ने बताया कि मौके पर मिले पदचिन्हों की जांच की जा रही है
कि वे तेंदुए के हैं या किसी अन्य वन्य जीव के। एहतियात के तौर पर गांव में पिंजरे लगाए जा रहे हैं और ट्रैप कैमरों से निगरानी की जा रही है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, छोटे बच्चों को अकेले बाहर न जाने दें और जानकारी मिलते ही 1926 पर कॉल करें।

160 की रफ्तार से मंजिल तक पहुंचा रही नमो भारत, बेगमपुल स्टेशन पर बाहर निकलते ही गड्ढों से हो रहा सामना

मेरठ। देश की पहली रीजनल रैपिड रेल यात्रियों को दिल्ली से मेरठ तक महज कुछ मिनटों में 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पहुंचा तो देती है लेकिन स्टेशन से बाहर कदम रखते ही यात्रियों का सामना चौड़े और गहरे गड्ढों से होता है। यही परेशानी स्टेशन तक पहुंचने में उठानी पड़ती है। नमो भारत की अत्याधुनिक चमचमाती तकनीक और सड़क की यह बदहाली एक-दूसरे के ठीक उलट खड़ी है। सबसे बुरी स्थिति बेगमपुल नमो भारत स्टेशन के आसपास की है, जहां चारों गेटों के ठीक सामने इतने गहरे गड्ढे बन चुके हैं कि जरा सी जल्दबाजी किसी यात्री को दुर्घटना का शिकार बना सकती है। यह स्थिति उसी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की लापरवाही से हुई है जिसने इस विश्वस्तरीय कारिडोर को तैयार किया है। बेगमपुल चौक से लेकर जीरो माइल यानी नमो भारत स्टेशन के गेट नंबर एक, दो, चार व तीन तक पूरी सड़क गड्ढों की भेंट चढ़ चुकी है। स्टेशन के अंदर अत्याधुनिक चमक है तो गेटों के ठीक बाहर निकलते ही विशाल गड्ढे। यह तस्वीर उस विकास के दावे पर सीधा तंज है, जिसमें लोग दिल्ली से मेरठ तक की दूरी हाईटेक ट्रेन से सरपट तय करते हैं लेकिन जैसे ही प्लेटफॉर्म से उतरकर स्टेशन के बाहर आते हैं, उन्हें गड्ढों से जूझना पड़ता है। शाम ढलते ही अंधेरे में ये गड्ढे और खतरनाक हो जाते हैं और दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ा देते हैं। यह सड़क एनसीआरटीसी के अधीन है और इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी भी उसी की है। इसकी मरम्मत उस समय हुई थी जब नमो भारत कारिडोर का 22 फरवरी को उद्घाटन किया गया था। उद्घाटन के समय भी सड़क की स्थिति बदहाल थी लेकिन तब उद्घाटन की तैयारी के कारण मरम्मत की गई थी। कुछ समय बीतने के बाद जब सड़क जर्जर होती चली गई और गड्ढे बढ़ते गए तो संबंधित

एएनएम की पुनः ज्वाइनिंग के विरोध में स्वास्थ्य कर्मियों का धरना

कार्य बहिष्कार कर सीएचसी परिसर में बैठीं एएनएम व संगनी-आशाएं, मारपीट के आरोप को लेकर एसपी से शिकायत

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एएनएम शीतल के तबादले और पुनः ज्वाइनिंग का मामला दिन-प्रतिदिन तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को उनकी पुनः ज्वाइनिंग के विरोध में एएनएम, संगनी व आशाओं ने कार्य बहिष्कार कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में धरना दिया। स्वास्थ्य कर्मियों ने मौके पर पहुंचे प्रतिरक्षण अधिकारी/नोडल अधिकारी को मांग पत्र सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की। वहीं, कुछ महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर एएनएम शीतल पर एक महिला स्वास्थ्य कर्मी के साथ गाली-गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। धरने पर बैठी एएनएम, संगनी व आशाओं की ओर से दिए गए मांग पत्र में कहा गया है कि उपकेंद्र फखनपुर की एएनएम शीतल की पुनः ज्वाइनिंग के विरोध में एक सितंबर को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में उनकी अनुपस्थिति में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार व डॉ. विश्वकर्मा को मांग पत्र दिया गया था। उस समय अधिकारियों ने सीएमओ से फोन पर वार्ता करने की बात कही थी। आरोप है कि सीएमओ द्वारा मामले की जांच के लिए टीम गठित कर एक सप्ताह में कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद कार्रवाई न होने से उनमें रोष है। इसी के चलते उन्हें कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। मांग पत्र पर करीब दर्जन भर एएनएम, संगनी व आशाओं के हस्ताक्षर बताए गए हैं। इसी मामले में लीलोदेवी, पूजा, कुसुम, सुनीता, पिंकी, विनेश आदि महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि मंगलवार को एएनएम शीतल ने महिला स्वास्थ्य कर्मी संगीता पवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकताओं ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि फखनपुर उपकेंद्र की एएनएम शीतल का पूर्व में अशोभनीय व्यवहार के आरोपों के चलते तबादला किया गया था। बाद में उनकी पुनः ज्वाइनिंग होने की बात सामने आई, जिसका एएनएम व आशाएं लगातार विरोध कर रही हैं। अब धरना और मारपीट के आरोप सामने आने के बाद मामला और गरमा गया है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग और पुलिस स्तर पर मामले में क्या कार्रवाई होती है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

स्वागत से भाजपा पदाधिकारी गदगद...पब्लिक के छूटे पसीने, तीन घंटे तक जाम; आगरा में फंसीं एंबुलेंस

आगरा। फतेहाबाद रोड स्थित होटल रमाडा पुल के नीचे मंगलवार को भीषण जाम ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी। तेज धूप और भीषण उमस के बीच करीब तीन घंटे तक वाहन रेंगते रहे। जाम में एंबुलेंस, स्कूली बसें और टूरिस्ट बसों के साथ बड़ी संख्या में राहगीर फंसे रहे। परेशान लोगों ने एकता थाना पुलिस को कई बार फोन किया, लेकिन उन्हें कथित तौर पर यही जवाब मिलता रहा कि "हमें जाम की जानकारी नहीं है।" स्वागत में उमड़े हुजूम और जेसीबी देख भाजपा पदाधिकारी जरूर गदगद हो गए होंगे लेकिन जाम में फंसी पब्लिक कराह उठी। भाजपा बृज क्षेत्र उपाध्यक्ष बनने के बाद सुग्रीव चौहान के प्रथम बार आगरा आगमन पर पार्टी नेताओं और समर्थकों ने होटल रमाडा पुल के नीचे स्वागत समारोह आयोजित किया था। सुबह करीब नौ बजे से समर्थक जुटने लगे। करीब 10 बजे स्वागत स्थल के पास जेसीबी लगाकर बमरौली कटारा की ओर से आने वाली बायीं सड़क को बंद कर दिया गया। इससे यातायात प्रभावित होना शुरू हो गया और देखते ही देखते जाम बढ़ता गया। करीब 11:30 बजे स्थिति पूरी तरह बिगड़ गई। लगभग एक किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। एंबुलेंस और स्कूली बसों के जाम में फंसने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। गर्मी में बच्चे और राहगीर बेहाल रहे। सीआइएसएफ जवानों ने संभाला मोर्चा दोपहर करीब 12:15 बजे ग्वालियर से आ रहा सीआइएसएफ का ट्रक भी रिंग रोड पर जाम में फंस गया। ट्रक में सवार जवान नीचे उतरे और यातायात को व्यवस्थित कराने में जुट गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उन्होंने ट्रक को जाम से बाहर निकलवाया, जबकि आम राहगीर जाम में फंसे रहे। एसीपी के रुख पर सक्रिय हुई पुलिस करीब 1:30 बजे एकता थाना प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान आगरा से फतेहाबाद जा रहे एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद भी जाम में फंस गए। उन्होंने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाने को कमान संभाली। एसीपी के कड़े रुख के बाद पुलिस सक्रिय हुई।

डेयरी संचालक से मारपीट कर 31 हजार रुपये छीनने का आरोप

पुलिस को दी तहरीर, दो युवकों पर लगाया मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- विश्नोई सराय स्थित दूध की डेयरी बंद कर घर लौट रहे डेयरी संचालक के साथ रास्ते में दो युवकों द्वारा मारपीट किए जाने और 31 हजार रुपये छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने नगीना पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर निवासी शुभम कुमार पुत्र नरेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सोमवार शाम विश्नोई सराय स्थित अपनी दूध की डेयरी बंद करने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। आरोप है कि गांव के रास्ते में मोड़ से पहले काली मंदिर के पास गांव निवासी प्रियांशु पुत्र अरुण कुमार और उसके साथी अस्मित पुत्र हेमेंद्र निवासी ग्राम नियामतपुर ने उसे रोक लिया। पीड़ित के अनुसार, दोनों युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि प्रियांशु ने लोहे की वस्तु से उसके सिर पर वार कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसके थैले में रखे 31 हजार रुपये निकाल लिए और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। मारपीट में घायल शुभम ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सारण में बाढ़ के कारण 95 स्कूल बंद, बच्चों की पढ़ाई पर लगा ब्रेक

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में नदियों के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ का कहर अब बच्चों की शिक्षा पर भारी पड़ने लगा है। सोनपुर से लेकर छपरा सदर तक फैले बाढ़ के पानी ने जिले के 95 विद्यालयों में पठन-पाठन को पूरी तरह ठप किया है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन सभी विद्यालयों को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश जारी किया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित सोनपुर प्रखंड है, जहां 47 विद्यालयों को बंद किया है। इसके अलावा, दिघवारा में 17, छपरा सदर में 20, गड़खा में 6 और रिविलगंज में 5 विद्यालय बाढ़ के कारण बंद हैं। कई स्कूलों के परिसरों में पानी घुस गया है, वहीं कुछ स्थानों पर विद्यालय तक पहुंचने वाले रास्ते भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन उन इलाकों पर भी पैनी नजर रख रहा है जहां पानी तेजी से बढ़ रहा है और जरूरत पड़ने पर अन्य विद्यालयों को भी बंद किया जा सकता है। हालांकि, शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की हैं। बंद किए गए विद्यालयों के शिक्षकों को आसपास के अन्य विद्यालयों में संलग्न (अटैच) किया गया है, ताकि उनकी सेवाओं का उपयोग जारी रहे और नजदीकी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे। साथ ही, प्रभावित विद्यालयों के बच्चों को यह सुविधा दी गई है कि वे अपनी इच्छा अनुसार समीप के किसी भी खुले विद्यालय में जाकर पढ़ाई कर सकते हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जैसे ही इन विद्यालयों से पानी निकलेगा, 24 घंटे के भीतर उन्हें फिर से खोलने का आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रशासन बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

9वीं के छात्र के साथ रैगिंग, 5 गिरफ्तार

सोलन (एजेंसी)। सोलन के मशहूर डीपीएस डगशाई में नौवीं कक्षा के एक छात्र के साथ मारपीट और रैगिंग का मामला सामने आया है। इसी स्कूल के 5 सीनियर छात्रों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक बीते 5 सितंबर को नौवीं कक्षा के एक मासूम छात्र को सीनियर छात्रों ने उसके हॉस्टल के कमरे से जबरन घसीटकर बाहर निकाला और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। जूनियर छात्रों का आरोप है कि पिछले चार महीनों से सीनियर छात्र उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। रैगिंग, गाली-गलौज और शारीरिक हमला यहां आम बात हो चुकी थी। इसी खौफ की वजह से जूनियर छात्र पिछले कई महीनों से भयंकर मानसिक तनाव और डर के साये में जी रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने लंबे जाम में फंसे लोगों को दी राहत खुद खुलवा दिए सारे टोल गेट

त्रिशूर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने केरलम के त्रिशूर में एनएच-544 पर पलियक्कारा टोल प्लाजा के सभी 12 गेट खोलने का आदेश दिया। ऐसा उन्होंने टोल प्लाजा के दोनों तरफ 2 किलोमीटर से अधिक लंबा ट्रैफिक जाम लगने के कारण किया। केंद्रीय मंत्री शाम करीब 5.45 बजे त्रिशूर से एर्नाकुलम जा रहे थे जब उनका काफिला मन्नुथी-अंगमाली स्ट्रेच पर पहुंचा और उन्हें इस भारी जाम का सामना करना पड़ा। भारी जाम के बीच, केंद्रीय मंत्री के पुलिस एस्कॉर्ट ने उनके लिए रास्ता बनाया। हालांकि, इतनी लंबी कतार देखकर मंत्री गोपी ने अपनी जिम्मेदारी समझी और तत्काल हस्तक्षेप का फैसला किया। उन्होंने बताया कि कानूनी नियमों के अनुसार, यदि वाहन लंबी लाइनों में फंसे हों, तब इंजन चालू रहने से ईंधन की बर्बादी और धुएं के उत्सर्जन को रोकने के लिए अदालत के निर्देश हैं कि टोल गेट खोल दिए जाएं ताकि वाहनों को आगे बढ़ने दिया जा सके। केंद्रीय मंत्री गोपी ने स्पष्ट किया कि टोल स्टाफ केवल अपना काम कर रहे थे और उन्हें व्यक्तिगत रूप से जाम के लिए जिम्मेदार नहीं मन सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को भारी ट्रैफिक वाले दिनों में पुलिस के साथ मिलकर काम करना चाहिए और टोल प्लाजा पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। त्रिशूर के सांसद ने स्वीकार किया कि उनके काफिले के निकलने पर कुछ वाहन चालकों को गुस्सा आया होगा, लेकिन उन्हें इस बात से संतुष्टि मिली कि बाद में सभी यात्री आगे बढ़कर राहत महसूस कर पाए।

पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल से नकली पीएमओ अधिकारी गिरफ्तार बंदूक भी बरामद

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई में होने वाले कार्यक्रम स्थल, नीता अंबानी कल्चरल सेंटर, से पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें से एक व्यक्ति के पास से एक लोडेड बंदूक बरामद हुई है। गिरफ्तार मुख्य संदिग्ध खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बता रहा था। मुंबई पुलिस ने 24 वर्षीय रोहन पारेख नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से पीएमओ का एक नकली पहचान पत्र मिला। सुरक्षा अधिकारियों को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद जांच करने पर पहचान पत्र फर्जी निकला। रोहन एक निजी बॉडीगार्ड के साथ घूम रहा था, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से भरी हुई पिस्तौल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

सवाल पूछने पर दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगते हैं

-पीएम मोदी की दिमागी नक्सलियों वाले भाषण पर राहुल गांधी ने बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए दिमागी नक्सलियों वाले भाषण के कीरब तीन हफ्ते बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को उन पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और जवाबदेही से बचने के लिए ऐसे विवादास्पद शब्दों का सहारा लेती है। उन्होंने विशेष रूप से दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक हादसे का हवाला दिया, जिसमें एक बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की जान चली गई।

राहुल गांधी ने एक्स पर ये बातें कहीं। उन्होंने टिना हैशटैग का इस्तेमाल किया, जिसका मतलब है उन्होंने कोई जवाबदेही नहीं बताया। गौरतलब है कि पीएम मोदी के समर्थक टिना फ़ैक्टर का ज़िक्र करते हैं, जिसका मतलब वे कोई विकल्प नहीं बताते हैं। यह पहली बार है जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले तंज का जवाब दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी सरकार से सवाल पूछने वाले किसी भी व्यक्ति को दिमागी नक्सल कह देती है। सोमवार को हिंदी में किए गए अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने कहा कि बीजेपी हमेशा निचले स्तर के अधिकारियों को दोषी ठहराती है और असली दोषियों को बच निकलने देती है, साथ ही, वह त्रासदी को रोकने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाती। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की सत्य निकेतन त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है और पिछले चार महीनों में राजधानी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले चार महीनों में सैदुलजाब में इसी तरह की त्रासदी में छह लोगों की मौत हुई और हौज़ रानी में आग लगने से 22 लोगों की जान चली गई थी। हर बार, लोगों की जान, सपने और उम्मीदें मलबे के नीचे दब जाती हैं और हर बार, कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिलती। उन्होंने आगे कहा कि और जब आप जवाबदेही की मांग करते हैं, तो पीएम खुद आप पर दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगाते हैं- मकसद यह होता है कि सवाल पूछने की हिम्मत करने वाले किसी भी व्यक्ति को शर्मिंदा किया जाए, बदनाम किया जाए और चुप करा दिया जाए। राहुल ने कहा कि दिल्ली में ट्रिपल-इंजन सरकार है, इसलिए इस घटना की जिम्मेदारी लेने से बचने के लिए उसके पास कोई बहाना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यह बेबसी इच्छाशक्ति की कमी से पैदा होती है क्योंकि जहां इच्छाशक्ति नहीं होती, वहां जवाबदेही भी नहीं होता।

राफेल मानहानि केस में राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका

मुंबई (एजेंसी)। राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को गिरगांव मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। हालांकि, अदालत ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए छह सप्ताह की राहत दी है। न्यायमूर्ति नितिन बोरकर ने कहा कि निचली अदालत के आदेश में ऐसी कोई स्पष्ट अवैधता या गंभीर खामी नहीं है, जिसके आधार पर हाईकोर्ट को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत अपनी अंतर्निहित शक्तियों का इस्तेमाल कर हस्तक्षेप करना चाहिए। यह मानहानि शिकायत भाजपा सदस्य महेश श्रीश्रीमल ने गिरगांव मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर की थी। शिकायत के अनुसार, राजस्थान में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से भाजपा समर्थकों की भावनाएं आहत हुई थीं। मजिस्ट्रेट ने अगस्त 2019 में राहुल गांधी को समन जारी किया था। उन्हें जुलाई 2021 में समन मिला, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुदीप पसबोला ने शिकायत को राजनीति से प्रेरित और परेशान करने के उद्देश्य से दायर बताया। उन्होंने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता को मानहानि मामले में शिकायत दर्ज कराने का अधिकार नहीं है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता रोहन महाडिक और महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने याचिका का विरोध किया।

पुलिस छात्रों को परेशान करने और महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में व्यस्त

-अभिजीत दीपके ने पोस्ट में लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने में बिजी हैं। दीपके ने सोशल मीडिया पर एक न्यूजपेपर की कटिंग शेयर की है, जिसमें लिखा है-दिल्ली के किलोकरी गांव में 54 साल के मणिपुरी म्यूजिशियन सी विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। विक्रम अपने अपार्टमेंट के बाहर शराब पीने और शोर मचाने वाले लोगों का विरोध कर रहे थे। उनके घर के बाहर एक ग्रुप ने उन पर हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका बेटा उन्हें अस्पताल ले गया जहां उनकी मौत हो गई।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत ने ये न्यूजपेपर की कटिंग शेयर करते हुए लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने और शाहीन व नफीसा जैसी महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में तो बहुत व्यस्त है, लेकिन असल अपराध को रोकने के लिए उसके पास समय नहीं है। एक डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाली दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम पहचान की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया।
3 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के साकेत में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के उद्घाटन के लिए गई थीं। पत्रकारों का आरोप है कि वह कार्यक्रम की वीडियो बना रही थीं। तभी पुलिस वालों ने उनसे सवाल-जवाब शुरू कर दिया था। उनका कहना था कि एक सीएम से सवाल पूछने की सजा है कि दिल्ली पुलिस ने अपनी फस्टेशन निकाल दिया। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने चोट के निशान दिखाए हैं। उन्होंने बताया कि ये निशान दिल्ली पुलिस के डंडे से चोट के हैं।

अखिलेश यादव के चवन्नी वाले बयान को चुनाव में खेला करना चाहती है बीजेपी

-संगीत सोम ने कहा- जिसे वह चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे

लखनऊ, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में जाट नेता और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी को चवन्नी बताया था। अब पूरी कोशिश हो रही है कि इसे चुनावी मुद्दा बनाया जाए। आरएलडी चीफ चौधरी ने कहा कि जाट समुदाय का इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं बीजेपी इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती है। बीजेपी नेता संगीत सोम ने जयंत चौधरी का पक्ष लेते हुए कहा था कि अखिलेश यादव जिसे चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे।
वहीं जयंत ने कहा कि अगर सियासत की प्रतिद्वंद्विता में कुछ कहना ही था तो मेरा नाम लेकर कहा जा सकता था। एक समुदाय का इस तरह का अपमान करना उन्हें पतन के रास्ते पर ले जाएगा। उन्होंने कहा, इस तरह का अहंकार पहले भी देख चुका हूं। यह केवल पतन का रास्ता है। एनडीए के सहयोगी ओपी राजभर ने भी कहा कि जाट समुदाय का अपमान है। उन्होंने कहा कि इसी जाट समुदाय ने अखिलेश यादव के पिता को सीएम बनाया था। उन्होंने यहां तक कहा कि अखिलेश यादव का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है।

जयंत चौधरी विपक्ष पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हाल ही में सहारनपुर की रैली में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गन्ने के मुद्दे का भी राजनीतीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल उत्पादन से किसान एक और बाजार से जुड़ रहे हैं। यह समाजवादी पार्टी से देखा नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा 400 पार तो गन्ने का दाम 400 पार वाला नारा भी दिया। जयंत चौधरी को बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड माना जा रहा है।
आरएलडी लंबे समय से जाट और किसानों की राजनीति करती रही है। कभी जाट और मुस्लिमों पर पार्टी का फोकस हुआ करता था। वहीं अब जयंत चौधरी ने बीजेपी से गठबंधन होने के चलते ब्राह्मण समाज को भी फोकस में रखना शुरू कर दिया। 2027 के चुनाव में जयंत चौधरी इसी समीकरण का फायदा उठाना चाहते हैं। एनडीए में रहते हुए अगर वह सवर्ण वोटों में सेंध लगाते हैं तो यह एनडीए के लिए फायदेमंद होगा। जयंत 2027 के चुनाव में 33 से 38 सीटों पर हिस्सेदारी चाहते हैं। इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही उनकी पत्नी चारू चौधरी भी सक्रिय राजनीति में हैं। ऐसे में महिला वोटों में भी उनकी पकड़ मजबूत हो सकती है। वहीं बीजेपी आरएलडी को 20 से 25 सीटें देना चाहती है। अगर जयंत चौधरी अखिलेश यादव के खिलाफ इसी तरह मजबूत रहते हैं तो आरएलडी को ज्यादा सीटें भी दी जा सकती हैं।

दिल्ली बिल्डिंग हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश : अब पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे मन में पहले से यह योजना है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर परसों यानी 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे। कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अकोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी। अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि हाल ही में हुई दुखद घटना को देखते हुए, यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है।

टास्मैक घोटाले और करूर गैंग का मुद्दे पर सीएम विजय ने विपक्ष को घेरा

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में राज्य की सरकारी शराब कंपनी टास्मैक में हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए गंभीर आरोप लगाए कि 2021 से 2025 के दौरान राज्य में एक संगठित गिरोह काम कर रहा था, जिसे करूर गैंग के नाम से जाना जाता था। यह हमला राज्य के राजनीतिक गलियारों में गरमाहट पैदा कर गया है, खासकर तब जब सत्ताधारी दल नई-नई सत्ता में आया है।

मुख्यमंत्री विजय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके बड़े पैमाने पर अवैध वसूली, टेंडरों में हेराफेरी और पैसों का अवैध लेनदेन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि उस समय यह विभाग पिछली सरकार के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के पास था, जिससे सीधे तौर पर उनकी भूमिका पर सवाल उठते हैं। विजय ने आरोप लगाया कि सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर निजी लोगों और राजनीतिक बिचौलियों को अनुचित रूप से ताकत दी गई थी, जिससे एक समानांतर व्यवस्था का निर्माण हुआ जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही थी। उन्होंने सदन को बताया कि करूर और कोयंबटूर जैसे इलाकों में शराब खरीदने वालों से तय कीमत से अधिक पैसे वसूले जाते थे और स्थानीय बार मालिकों से जबरन उगाही की जाती थी, जिससे सरकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ और जनता का शोषण हुआ। मुख्यमंत्री ने सेंथिल बालाजी के भाई वी. अशोक कुमार का नाम लेते हुए उन पर फर्जीवाड़े, टेंडर में गड़बड़ी और ट्रांसपोर्ट व खरीदारी के कॉन्ट्रैक्ट से अवैध पैसे ट्रांसफर करने का सीधा आरोप लगाया, जिससे घोटाले की जड़ें और गहरी होती दिख रही हैं। अपने भाषण में, विजय ने 1967 में सी.एन. अन्नादुरई, 1977 में एम.जी. रामचंद्रन और 1983 में एन.टी. रामा राव (आंध्र प्रदेश) की ऐतिहासिक राजनीतिक जीतों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर, उनकी दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने 2026 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करके सरकार बनाई है, जो राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर है और एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा, ईश्वर, प्रकृति और जनता हमेशा हमारे साथ हैं। भ्रष्टाचार विरोधी जांच के सामने विपक्ष के सारे दांव उल्टे पड़ेंगे। यह बयान उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है और यह भी इंगित करता है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी। सी. जोसेफ विजय विधानसभा में गृह (पुलिस) विभाग की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे, जो विभाग स्वयं उनके पास है।

नंदीग्राम : जहां ममता खुद हार गईं, वहां किसे लड़ाएगी टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है, जहां 6 अक्टूबर को मतदान होगा और 9 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। हालांकि, इस बार की चर्चा उम्मीदवारों की घोषणा को लेकर है, जो अभी तक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी दोनों की ओर से नहीं की गई है। यह वही महत्वपूर्ण सीट है जहां 2021 के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था, जिससे यह उपचुनाव और भी दिलचस्प हो गया है।
मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा यह सीट छोड़ने के बाद उपचुनाव हो रहा है। टीएमसी के संभावित उम्मीदवार के तौर पर कई नामों पर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें अखिल गिरि का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि, पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। टीएमसी इस सीट पर अपनी वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी, क्योंकि यह ममता बनर्जी की चुनावी हार का प्रतीक रही है। वहीं, भाजपा ने भी अभी तक अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, मेघनाद पाल के नाम की चर्चा है, जिन्हें सीएम अधिकारी का करीबी माना जाता है। भाजपा का दावा है कि पार्टी की ओर से जिसे भी नामित किया जाएगा, वह उम्मीदवार मतदाताओं के लिए स्वीकार्य होगा। दोनों ही प्रमुख दल रणनीति के तहत नामों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिससे यह मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है। नंदीग्राम के साथ ही पश्चिम बंगाल की एक और सीट रेजीनगर में भी उपचुनाव होना है। यह सीट आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख हुमायूं कबीर के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। कबीर तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता थे, जिन्होंने पार्टी से निकाले जाने के बाद एजेयूपी का गठन किया और 2021 के विधानसभा चुनाव में रेजीनगर सीट पर जीत हासिल की थी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु में मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों, पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट और असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र में भी 6 अक्टूबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की है।

गणेशोत्सव: मुंबई में ध्वनि और अन्य नियमों का कड़ा पालन होगा

मुंबई , एजेंसी।
मुंबई में गणेशोत्सव का उल्लास इस वर्ष कड़े ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों और अन्य व्यवस्थाओं के साथ मनेगा। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने शहर के सभी गणेश मंडलों से अपील की है कि वे लाउडस्पीकर और अन्य ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल निर्धारित सीमाओं के भीतर ही करें। नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।
ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत, आवासीय क्षेत्रों में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ध्वनि स्तर 55 डेसिबल और रात 10 बजे के बाद 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। समन्वय समिति ने मंडलों से डीजे के बजाय ढोल-ताशे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ उत्सव मनाने का आग्रह किया है। गणपति विसर्जन के चार प्रमुख दिनों 15, 18, 19 और 25 सितंबर को लाउडस्पीकर रात 12 बजे तक चलाने की अनुमति होगी। हालांकि, इस दौरान भी ध्वनि की निर्धारित सीमा का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि देर रात तक अनुमति का अर्थ तेज आवाज में संगीत बजाने की छूट नहीं है, और नियम तोड़ने पर संबंधित मंडल या आयोजक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
महाप्रसाद की गुणवत्ता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सख्त नियम लागू किए हैं। अब महाप्रसाद तैयार करने वाले सप्लायर के पास खाद्य सुरक्षा से जुड़ा वैध लाइसेंस होना अनिवार्य है। इस नियम से छोटे गणेश मंडलों की परेशानी बढ़ गई है, क्योंकि उनके सीमित बजट में लाइसेंसधारी सप्लायर की सेवा लेना कठिन है। उन्होंने एफडीए से छोटे मंडलों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की है।
गणेश मूर्तियों की ऊंचाई और विसर्जन को लेकर भी मंडलों में असमंजस बना हुआ है। समन्वय समिति ने महाराष्ट्र सरकार, बीएमसी और संबंधित विभागों से अदालत के निर्देशों के अनुसार एक स्पष्ट और साझा नीति बनाने की मांग की है। बॉम्बे हाई कोर्ट की अंतरिम व्यवस्था के तहत, छह फीट तक की प्लास्टर ऑफ पेरिस मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में और छह फीट से ऊंची मूर्तियों को प्राकृतिक जलस्रोतों में विसर्जित करने की अनुमति है। समिति का कहना है कि नीति लागू करते समय मुंबई की सड़कों, विसर्जन मार्गों, पुलों और अन्य बाधाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

घरेलू उपायों से करें कॉन्र्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉन्र्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉन्र्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉन्र्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉन्र्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉन्र्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉन्र्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉन्र्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉन्र्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉन्र्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉन्र्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉन्र्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉन्र्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉन्र्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदों डालकर कॉन्र्स पर रगडें। फिर कॉन्र्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉन्र्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉन्र्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉन्र्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉन्र्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉन्र्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉन्र्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉन्र्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉन्र्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉंधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉन्र्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉन्र्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉन्र्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉन्र्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉन्र्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अदभुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉन्र्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉन्र्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉन्र्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

■ राइस -एक कटोरी ■ दही एक कटोरी ■ उड़द दाल-एक छोटा चम्मच ■ चने की दाल-एक छोटा चम्मच ■ मूंगफली -आधी छोटी कटोरी ■ दो हरी मिर्च ■ एक सूखी लाल मिर्च ■ एक सफेद प्याज ■ चुटकीभर अदरक ■ करी पत्ते 5-6 ■ आधा छोटा चम्मच राई ■ चुटकीभर मेथी दाना ■ चुटकीभर हींग ■ तेल जरूरत के अनुसार ■ नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

काले चने की कढ़ी

सामग्री

■ भिगोए और उबले हुए काले चने ■ दही ■ बेसन ■ एक छोटा चम्मच हल्दी ■ एक बड़ा चम्मच गरम मसाला ■ दो तेजपत्ता ■ दो सूखी लाल मिर्च ■ चूटकीभर हींग ■ आधा चम्मच मेथी दाना ■ आधा छोटा चम्मच जीरा ■ दो हरी मिर्च ■ आधा कप प्याज ■ आधा कप टमाटर ■ एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ दो बड़ा चम्मच तेल ■ नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यौक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4003

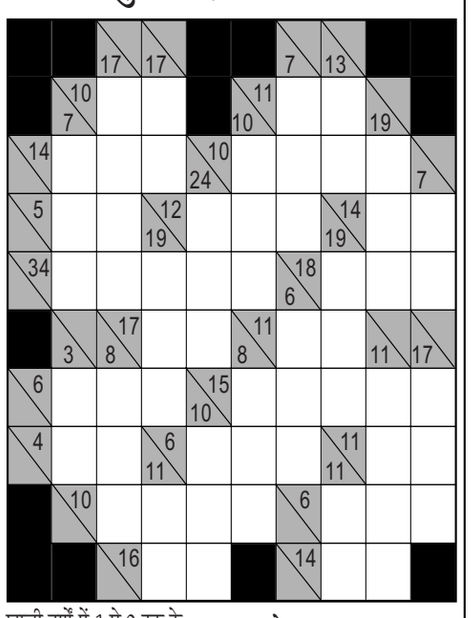

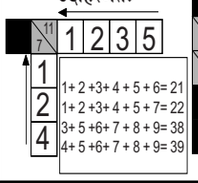

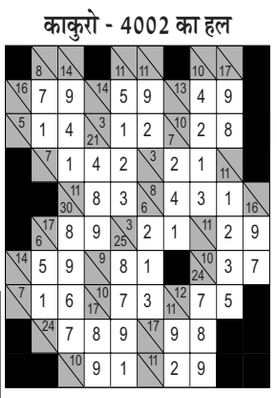

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 4002 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

▯ ▯ ▯

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि'जनाब ये आपका मकान कैसा है ? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं ?'

▯ ▯ ▯

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

▯ ▯ ▯

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

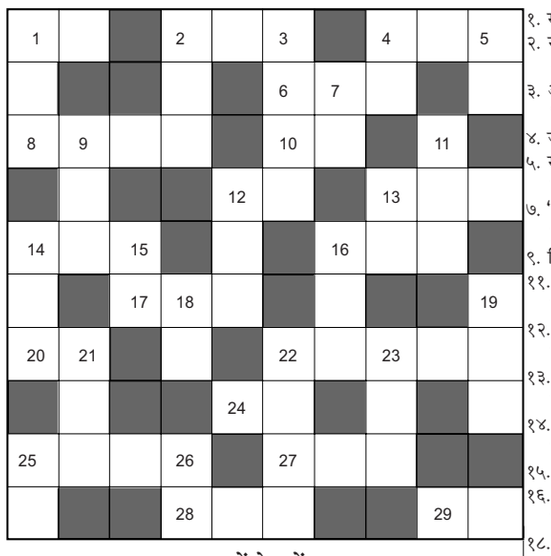

▯ ▯ ▯

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया ?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 4003

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4002

सूडोकु -4003

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4002 का हल

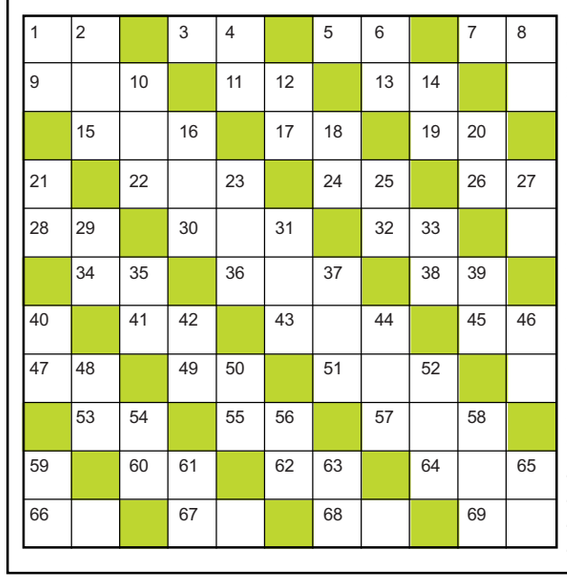

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4003

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4002 का हल

मेधा शंकर इंडियाज गॉट लेटेंट के पैनल में शामिल हुईं

विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही फ्लाइट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट विवादों से दूर नहीं रहा है। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लेटेस्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं।

समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही फ्लाइट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर अपने कंटेंट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शेरोन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेंट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और इससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शेरोन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शेरोन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का प्रीमियर

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अनोखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं।

नेपोटिज्म पर अरशद वारसी की अलग राय? स्टारकिड्स के बारे में कहा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आईं। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावास से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहां तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है। अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहां टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आईं और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा'। अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता।

एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है'। अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।

नजदीकियां में दिखेंगे निकिता दत्ता और ताहा शाह

धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल कंपनी धर्मैटिक एंटरटेनमेंट एक नई सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम 'नजदीकियां' बताया जा रहा है। इस सीरीज का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर रुचिर अरुण करेंगे। इसमें निकिता दत्ता और ताहा शाह बदुशा लीड रोल में नजर आएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'नजदीकियां' की कहानी आज के दौर के रिश्तों और उनकी जटिलताओं पर बेस्ड होगी। सीरीज में प्यार, शादी, जिम्मेदारियों और अपनी इच्छाओं के बीच फंसे लोगों की कहानी दिखाई जाएगी। कहानी में दो शादीशुदा जोड़ों की जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उनके जीवनसाथियों के बीच एक ऐसा रिश्ता बन जाता है, जो धीरे-धीरे बेहद गहरा होता चला जाता है। 'नजदीकियां' की कहानी दो कपल्स के इर्द-गिर्द घूमेगी। शुरुआत में इन दोनों जोड़ों की जिंदगी सामान्य नजर आती है, लेकिन समय के साथ उनके रिश्तों में बदलाव आने लगता है। दोनों कपल्स के जीवनसाथियों में से दो लोग एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं। 'नजदीकियां' में आकांक्षा सिंह भी लीड रोल में नजर आएंगी। आकांक्षा टेलीविजन की लोकप्रिय एक्ट्रेसस में रही हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। सीरीज में परेश पाहुजा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परेश इससे पहले 'बंदिश बैंडिट्स' और 'चांद मेरा दिल' में नजर आ चुके हैं। उनकी एक्टिंग को ओटीटी दर्शकों ने भी पसंद किया है। सीरीज की शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। इसके बाद इसे साल 2027 में प्राइम वीडियो पर रिलीज करने की योजना है।

साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगीं वेदिका पिंटो, लक्ष्य के साथ बनेगी नई जोड़ी

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉकटेल है, जो कहानी को काफी इंट्रिगिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बा*र्ड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सेटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टेबल किरदार एक्सप्लोर करते नजर आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइजिंग! अपने डिस्टिंक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।

अभिलाष थपलियाल ने सभी से तापसी की 'गांधारी' देखने की गुजारिश की

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

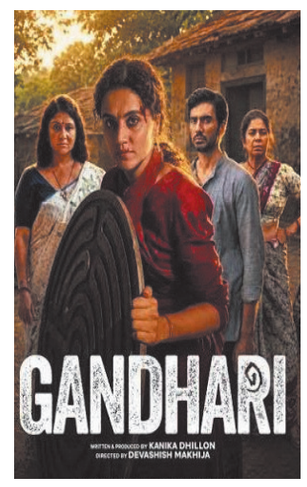

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर बोलीं क्रिस्टल डिसूज़ा

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।' क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।''

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।